



हिन्दुस्तान  
एक्सप्रेस  
समूह

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

■ मध्यप्रदेश ■ राजस्थान ■ हरियाणा ■ छत्तीसगढ़ ■ महाराष्ट्र से प्रकाशित



आक पंजीयन क्र. डीएलपी 1144/2019-21

5 2011 वर्ल्ड कप में धोनी की कप्तानी और फिनिशिंग प्रेरित...

सम्पादकीय बदलता परिदृश्य

वॉट्सएप आपके प्राइवेट मैसेज पढ़ रहा है भरोसे...

5

वर्ष 18 अंक 69 E-mail: dholpur@hotmail.com

धौलपुर, शनिवार 11 अप्रैल 2026

ई-पेपर के लिए लॉगऑन करें -www.hindustanexpress.online

मूल्य 2.00 रुपये, पृष्ठ 8

## मथुरा : यमुना में स्टीमर डूबने से 10 पर्यटकों की मौत

आर.एन.एस

मथुरा। वृंदावन में शुक्रवार दोपहर यमुना नदी में 30 पर्यटकों से भरा स्टीमर पलट गया। हादसे में 8 पर्यटकों की डूबने से मौत हो गई। इनमें 5 महिलाएं और 3 पुरुष हैं। इसकी पुष्टि मथुरा के डीएम चंद्र प्रकाश सिंह ने की है। स्टीमर में सवार सभी पर्यटक पंजाब से घूमने आए थे।

एसडीआरएफ और एनडीआरएफ मौके पर रेस्क्यू चला रही है। 50 लोकल गोताखोर भी रेस्क्यू में जुटे हैं। गोताखोर गुलाब ने बताया- करीब 15 लोगों को बाहर निकाल लिया है।

पर्यटक मनोहर लाल ने बताया- हम सभी पंजाब के जागरावा से आए



हैं। तेज हवा चल रही थी। यमुना नदी के बीच में स्टीमर अचानक तेज हवा से डगमगाने लगा। स्पीड भी बढ़ गई। तभी स्टीमर पीपा पुल से टकराकर

पलट गया। मौसम विभाग की बेवसाइड

स्काईमेट के अनुसार, वृंदावन में अभी 31 किमी प्रति घंटे की रफतार से हवा चल रही है।

एक महिला ने बताया- हम लोगों का 120 लोगों का ग्रुप पंजाब से आया था। स्टीमर पलट गई है। कई लोग डूब गए हैं। कुछ लोगों को निकाला गया है। पुलिस और स्थानीय प्रशासन मिलकर रेस्क्यू अभियान चला रहा है। गोताखोर यमुना के गहरे पानी में डूबे हुए लोगों की तलाश में जुटे हैं। मौके पर डीएम, एसपी पहुंच गए हैं। दुर्घटनास्थल पर भारी भीड़ जमा हो गई है, जिससे बचाव कार्य में थोड़ी बाधा आ रही है। प्रशासन ने लोगों से शांत रहने और बचाव दल का सहयोग करने की अपील की है। स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

## ईरान ने अमेरिका से बातचीत से इनकार किया

कहा- लेबनान में सीजफायर लागू होने तक कोई डील नहीं

आर.एन.एस

तेहरान। ईरान ने पाकिस्तान में होने वाली सीजफायर डील में शामिल होने से इनकार कर दिया है। ईरानी मीडिया फार्स न्यूज एजेंसी के अनुसार, ईरान ने कहा है कि जब तक लेबनान में सीजफायर लागू नहीं हो जाता वह बातचीत नहीं करेगा।

इससे पहले अमेरिकी वेबसाइट वॉल स्ट्रीट जर्नल ने खबर दी थी कि ईरानी डेलिगेशन गुरुवार शाम पाकिस्तान पहुंच गया है। इसमें संसद अध्यक्ष गालिबाफ और विदेश मंत्री अराघवी शामिल हैं। हालांकि फार्स न्यूज ने इसे फेक बताया।

इससे पहले 7 अप्रैल को अमेरिका और ईरान 2 सप्ताह के सीजफायर पर सहमत हुए थे। यह भी तय हुआ था कि दोनों देशों के नेता पाकिस्तान में मीटिंग के लिए मिलेंगे। बातचीत शनिवार को इस्लामाबाद में होनी है।



इसके लिए अमेरिकी डेलिगेशन आज इस्लामाबाद पहुंचेगा।

इजराइली सेना का दावा- 250 से ज्यादा हिजबुल्लाह लड़ाके देर इजराइली सेना ने दावा किया कि उसने हिजबुल्लाह के खिलाफ बड़ी कार्रवाई में 200 से ज्यादा रॉकेट लॉन्चर नष्ट किए। इन लॉन्चरों में करीब 1,300 लॉन्च ट्यूब शामिल थे, जिनका इस्तेमाल हमलों के लिए

किया जाता था।

दृष्टस के मुताबिक, इस कार्रवाई में 250 से ज्यादा हिजबुल्लाह के लड़ाके मारे गए। इनमें 15 कमान्डर शामिल थे, जो अलग-अलग क्षेत्रों में आर्टिलरी यूनिट संभाल रहे थे। इजराइल ने यह भी दावा किया कि हिजबुल्लाह की नासर यूनिट के आर्टिलरी प्रमुख अली कामेल अबर अल-हसन को भी मार गिराया गया।

## जस्टिस यशवंत वर्मा का इस्तीफा

घर में 500 के नोटों के बंडल जले मिले थे

आर.एन.एस



नई दिल्ली। इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा ने राष्ट्रपति को इस्तीफा भेज दिया है। 14 मार्च 2025 को उनके दिल्ली स्थित सरकारी घर में आग लगने के दौरान 500-500 के नोटों के बंडल जले मिले थे। इसके बाद उन्हें दिल्ली हाईकोर्ट से इलाहाबाद हाईकोर्ट ट्रांसफर कर दिया गया था।

उन्होंने 5 अप्रैल 2025 को इलाहाबाद हाईकोर्ट में शपथ ली थी, लेकिन उन्हें कोई जिम्मेदारी नहीं दी गई थी। मामले की जांच पूरी होने तक उन्हें न्यायिक कार्यों से दूर रखा गया था। जस्टिस वर्मा ने 9 अप्रैल को इस्तीफा भेजा था, लेकिन न्यूज एजेंसी ने अगले दिन, यानी 10 अप्रैल को इसकी जानकारी दी। जस्टिस वर्मा ने इस्तीफे में लिखा है- मैं आपके सम्मानित कार्यालय को उन कारणों से परेशान

नहीं करना चाहता, जिनकी वजह से मुझे यह पत्र लिखना पड़ रहा है। लेकिन गहरे दुख के साथ मैं इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश पद से तत्काल प्रभाव से इस्तीफा दे रहा हूँ। इस पद पर सेवा करना मेरे लिए सम्मान की बात रही है। सुप्रीम कोर्ट के चीफ सज्जिब खन्ना ने 22 मार्च को जस्टिस वर्मा पर लगे आरोपों की इंटरनल जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी बनाई थी। इसने 4 मई को छद्म को अपनी रिपोर्ट सौंपी थी। इसमें जस्टिस वर्मा को दोषी ठहराया गया था। लोकसभा में जस्टिस

वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाया गया था। उन्होंने इसे चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। इसमें कहा था कि दोनों सदनों में महाभियोग प्रस्ताव लाया गया था, लेकिन राज्यसभा ने उसे मंजूर नहीं किया। इसके बावजूद लोकसभा ने जांच समिति बना दी, जो गलत करना मेरे लिए सम्मान की बात रही है। लोकसभा स्पीकर की ओर से गठित संसदीय जांच पैनल में कुछ खामी दिखाई देती है। लेकिन जजेज इन्कवाररी एक्ट के तहत लोकसभा स्पीकर के पास यह अधिकार है

## बंगाल में भाजपा का वादा महिलाओं को 3 हजार महीना व 6 महीने में यूसीसी लागू होगा

आर.एन.एस

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के लिए पार्टी का घोषणा पत्र यानी 'भरोसे का पत्र' जारी किया। इसमें महिलाओं को 73 हजार महीना, युवा बेरोजगारों को 73 हजार महीना की मदद, पहले 6 महीने में छह लाख करना और सरकारी कर्मचारियों को 45 दिन में सातवां वेतनमान देने की घोषणा की गई।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पत्र जारी करते हुए कहा बंगाल की जनता के लिए पिछले 15 साल बुरे सपने के जैसे रहे हैं। ममता घुसपैटियों के जरिए तीसरी बार सीएम बनीं हैं। हम घुसपैटियों को डिटेक्ट, डिलीट और डिगोट करेंगे। राज्य में दो फेज में 23

और 29 अप्रैल को वोटिंग होनी है। रिजल्ट 4 मई को आया। इधर, बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने नॉर्थ 24 परगना के टेंटुलिया में चुनावी रैली की। उन्होंने यहां कहा- सांप पर भी भरोसा किया जा सकता है, लेकिन बीजेपी पर नहीं। भाजपा असम चुनाव के लिए बाहर से लोगों को लेकर आई, उसे राज्य के निवासियों के वोटों से जीत का भरोसा नहीं था।

बीजेपी नेता लॉकेंट चटर्जी ने कहा- टीएमसी का एकमात्र मकसद मुसलमानों के वोटों को एकजुट करना है। वे केवल तुष्टीकरण की राजनीति करके ही चुनाव जीतते हैं। पश्चिम बंगाल में अल्पसंख्यक टीएमसी पर भरोसा नहीं करते। वे टीएमसी को वोट नहीं देंगे।



## 114 नए राफेल स्वदेशी मिसाइलों से लैस होंगे

18 जेट फ्रांस में, 96 भारत में बनेंगे

आर.एन.एस

नई दिल्ली। भारत फ्रांस से 114 नए राफेल फाइटर जेट खरीद रहा है। 18 जेट फ्रांस में, 96 भारत में बनेंगे। इन जेट्स को स्वदेशी मिसाइलों और हथियार सिस्टम से लैस किया जाएगा। एचटी की रिपोर्ट के मुताबिक, इंटरफेस कंट्रोल डॉक्यूमेंट के जरिए राफेल जेट और स्वदेशी हथियार आपस में कैसे जुड़ेंगे यह तय किया जाएगा। रक्षा मंत्रालय अगले महीने राफेल फाइटर जेट बनाने वाली फ्रांसीसी कंपनी डसॉल्ट एविएशन को रिक्वेस्ट फॉर प्रोपोजल जारी करेगा। इसके बाद कॉन्ट्रैक्ट पर बातचीत शुरू होगी। इस सौदे को फेंस एक्विजिशन काउंसिल ने 12 फरवरी को मंजूरी दी थी।

114 में से 18 राफेल जेट्स फ्रांस से फ्लाई-अवे कंडीशन में मिलेंगे। बाकी 96 जेट्स भारत में बनाए जाएंगे, जिसमें 25% कलपुर्ज स्वदेशी होंगे। फ्रांस सोर्स कोड शेयर नहीं करेगा रिपोर्ट्स में कहा गया कि फ्रांस सोर्स कोड देने को तैयार नहीं है। अधिकारियों के मुताबिक, कोई भी देश अपने फाइटर जेट का सोर्स कोड साझा नहीं करता। यही कोड रख, इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर, टारगेट ट्रैकिंग और हथियार सिस्टम को कंट्रोल करता है, इसलिए इसे साझा नहीं किया जाता। हालांकि, डील पर इसका असर नहीं है।

एचटी की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत को रूस ने 5 जनरेशन एसयू-57 फाइटर जेट के दो स्क्वाड्रन देने की पेशकश की है। वह हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के साथ मिलकर एसयू-30 एमकेआई जेट्स को अपग्रेड भी कर रहा है। हालांकि रूस ने इन दोनों फाइटर जेट्स के सोर्स कोड कभी शेयर नहीं किए। अमेरिका का भी यही रुख है। भारत के पास मौजूद अमेरिकी ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट और अटैक हेलिकॉप्टर से जुड़े सॉफ्टवेयर कोड भी शेयर नहीं किए जाते।

एयरफोर्स ने सितंबर 2025 में 114 अतिरिक्त राफेल जेट की मांग रक्षा मंत्रालय को भेजी थी। एयरफोर्स के पास पहले से 36 राफेल विमान हैं, जबकि नौसेना ने 26 मरीन बेरिएंट राफेल का ऑर्डर दिया है। अधिक संख्या में एक ही प्लेटफॉर्म होने से रखरखाव लागत कम होगी। अबला एयरसेल पर राफेल का ट्रेनिंग और रूह (मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहॉल) संरभर से पहले से चालू है। एयरफोर्स के पास तुरंत दो स्क्वाड्रन (36-38 विमान) शामिल करने के लिए जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर, स्पेयर पार्ट्स और प्रशिक्षित स्टाफ मौजूद है।

## ममता बनर्जी बंगाल के लोगों की चिंता नहीं करती है : अमित शाह

आर.एन.एस

नई दिल्ली। गृहमंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के देवरा में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि, ममता बनर्जी बंगाल के लोगों की चिंता नहीं करती हैं। उन्हें बस भतीजे अधिषेक बनर्जी को अगला सीएम बनाने में दिलचस्पी है।

उधर बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने नॉर्थ 24 परगना के टेंटुलिया में चुनावी रैली की। उन्होंने कहा- सांप पर भरोसा किया जा सकता है, लेकिन बीजेपी पर नहीं। भारतीय जनता पार्टी ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के लिए पार्टी का घोषणा पत्र यानी 'भरोसे का पत्र' जारी किया। इसमें महिलाओं को 73 हजार महीना, युवा बेरोजगारों को 73 हजार महीना की मदद, पहले 6 महीने में यूसीसी लागू करना और सरकारी कर्मचारियों को 45 दिन में सातवां वेतनमान देने की घोषणा की गई। पश्चिम बंगाल में वोटिंग लिस्ट फ्रीज की गई, अब तक दो नाम बहाल



पश्चिम बंगाल में चुनाव से पहले स्ट्रुक् के बाद वोटर लिस्ट फ्रीज कर दी गई है। यानी कि अब कोई नया नाम नहीं जोड़ा जाएगा। हटाए गए 27 लाख नामों में से अब तक सिर्फ दो नाम ही बहाल किए गए हैं। ये दोनों नाम सुप्रीम कोर्ट के दखल के बाद बहाल हुए हैं। चुनाव आयोग के अधिकारियों ने बताया कि गुरुवार तक ट्रिब्यूनल के सामने सुनवाई के लिए दो लाख से ज्यादा आवेदन ऑनलाइन जमा किए

जा चुके थे। हालांकि इन पर सुनवाई जारी रहेगी। देवरा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा, पिछले 15 सालों से ममता बनर्जी 'मा, माटी, मानुष' के नारे के साथ आती रही हैं लेकिन हमारे युवाओं को बेरोजगारी का सामना करना पड़ा है और लोगों को तकलीफें उठानी पड़ी हैं। किसियों को भी परेशान होना पड़ा है।

## गगनयान मिशन का दूसरा क्यू मॉड्यूल टेस्ट सफल

चिन्नूक हेलिकॉप्टर से 3 किमी ऊंचाई से छोड़ा गया

आर.एन.एस

नई दिल्ली। भारत के पहले मानव अंतरिक्ष मिशन गगनयान की तैयारी में बड़ी कामयाबी मिली है। दृष्टस ने गुरुवार को दूसरा इंटीग्रेटेड एयर ड्रॉप टेस्ट सफलतापूर्वक पूरा किया।

यह टेस्ट गगनयान मिशन के लिए तैयार किए गए पैराशूट सिस्टम की असली परिस्थितियों की जांच करने के लिए किया गया। इसका मकसद गगनयान मिशन से पहले पैराशूट खुलने के प्रोसेस को चेक करना था। ये प्रोसेस मिशन के समय अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षित वापसी तय करेगा। टेस्ट के दौरान लगभग 5.7 टन वजनी डमी क्यू कैप्सूल को वायुसेना के चिन्नूक हेलिकॉप्टर से 3 किमी की



ऊंचाई से छोड़ा गया। कैप्सूल ने समुद्र में सेफ लैंडिंग की। पिछले 8 महीनों में क्यू कैप्सूल का यह दूसरा एयर ड्रॉप टेस्ट है। पहला टेस्ट 24 अगस्त 2025 को किया गया था। गगनयान मिशन: 2027 में शुभांशु समेत पायलट अंतरिक्ष जाएंगे गगनयान आईएसआरओ का दूरन स्पेस मिशन है। इसके तहत 2027 में स्पेसक्राफ्ट से वायुसेना के

तीन पायलट्स को स्पेस में भेजा जाएगा। ये पायलट 400 किमी के ऑर्बिट पर 3 दिन रहेंगे, जिसके बाद हिंद महासागर में स्पेसक्राफ्ट की लैंडिंग कराई जाएगी। मिशन की लागत करीब 20,193 करोड़ रुपए है। गगनयान मिशन के लिए अभी वायुसेना के चार पायलट्स को चुना गया है, जिनमें से एक ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला हैं। शुभांशु इसीलिए एक्सिसम मिशन के तहत इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन गए थे।

## छत्तीसगढ़ में 2 कारें भिड़ने से कॉन्स्टेबल का परिवार खत्म

आर.एन.एस

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में भीषण सड़क हादसे में कॉन्स्टेबल मुनेंद्र नेताम के परिवार के चार लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। हादसा नेशनल हाईवे-30 पर कोतवाली थाना क्षेत्र में दो कारों की आमने-सामने टक्कर से हुआ।

जानकारी के मुताबिक, उड़कुडा निवासी नेताम परिवार गुरुवार रात करीब 11 बजे चौवराज में शादी से लौट रहा था। नाथिया नवागांव के पास उनकी कार दूसरी कार से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि 6 लोगों को मौके पर ही मौत हो गई।

मृतकों में मुनेंद्र नेताम की पत्नी कुंती नेताम, दामाद शगुनदास नेताम,



बहन मकतुला नेताम और 7 साल का भांजा वंश नेताम के साथ दो रिश्तेदार भी शामिल हैं। हादसे में दोनों वाहनों के तीन लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। प्राथमिक उपचार के बाद सभी को रायपुर रेफर किया गया है। टक्कर में

दोनों कारें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। दूसरी कार में सवार दो युवक घायल हुए हैं। बताया जा रहा है कि उनकी कार तेज रफ्तार में थी और ट्रक को ओवरटेक करते समय सामने से आ रही विक्टरी डिजायर से टकरा गई।

## एमपी-यूपी में तापमान 6 डिग्री से 10 डिग्री तक बढ़ सकता है

राजस्थान में 40 डिग्री से ज्यादा होने का अनुमान

आर.एन.एस

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश में अब बारिश का असर कम रहेगा। इसके साथ ही दिन का तापमान 4 डिग्री से 6 डिग्री तक बढ़ सकता है। उत्तर प्रदेश में इस हफ्ते बारिश की संभावना नहीं है। बीते दो दिनों में 50 से ज्यादा जिलों में बारिश-ओलावृष्टि का असर रहा। राज्य का तापमान 10 डिग्री तक बढ़ सकता है।

राजस्थान में आंधी-बारिश का दौर थमने के साथ तापमान बढ़ने लगा है। अगले 2 सप्ताह में गर्मी तेज होने के



साथ कुछ शहरों का तापमान 40 डिग्री या उससे ऊपर जा सकता है। देश के अरुणाचल प्रदेश, असम समेत 9 राज्यों में बारिश-आंधी की

आशंका है। हिमाचल प्रदेश में अप्रैल में अब तक सामान्य से 200% ज्यादा बारिश हो चुकी है। आमतौर पर 2-9 अप्रैल के बीच 17.6 एमएम बारिश होती थी, इस बार 52.6 एमएम हुई। राज्य के अधिकतम तापमान में भी 6.4एड की कमी आई है। उत्तराखंड के उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग समेत 5 जिलों में बारिश की संभावना है। पहाड़ियों पर बर्फबारी हो सकती है। इधर, आंध्र प्रदेश में अगले पांच दिन तक मौसम खराब बना रहेगा। राज्य के कई हिस्सों में गरज-चमक, बिजली गिरने के साथ गर्म और उमस भरा मौसम बना रहेगा।



## चेतना बस्ती में घुमंतू महिलाओं को बांटा गया राशन

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

**जयपुर।** वाइटलकेयर फाउंडेशन द्वारा चेतना बस्ती में घुमंतू महिलाओं को बांटा गया राशन। कार्यक्रम संयोजक सर्वेश्वर शर्मा ने बताया की वाइटलकेयर फाउंडेशन द्वारा जरूरतमंद लोगों को शिक्षा, चिकित्सा, रोजगार के साथ साथ समय समय पर जरूरत के हिसाब से कभी राशन, कभी दवा कभी रोजगार कभी भोजन, कंबल आदि वितरित किया जाता है, फाउंडेशन द्वारा प्रत्येक महीने में 3-4 बार राशन सामग्री वितरित

की जाती है इसी क्रम में आज चेतना बस्ती जयसिंहपुरा खोर में जरूरतमंद महिलाएं जो घुमंतू समाज से है, जिनके पास कोई रोजगार नहीं है या वृद्ध है या जो कार्य करने में शारीरिक रूप से असमर्थ हैं, उनको राशन सामग्री किट जिसमें आटा, चावल, दालें, मसाले, तेल, बिस्किट आदि शामिल है का वितरण किया गया। इस अवसर पर वाइटलकेयर फाउंडेशन के चेयरमैन प्रवीण शर्मा आध्यत्मिक चिकित्सक तरुण माथुर, समाजसेवी, सदीप अग्रवाल इंडू आदि उपस्थित रहे।



## अपर्णा एंटरप्राइजेज का विटरो सेलेक्ट अब डूंगरपुर में

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

**डूंगरपुर।** अपर्णा एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने आज राजस्थान के डूंगरपुर जिले के सांगवाड़ा में विटरो सेलेक्ट स्टोर के उद्घाटन की घोषणा की। यह स्टोर धन कुबेर एंटरप्राइजेज के साथ मिलकर खोला गया, जिसका उद्देश्य उभरते बाजारों में विटरो सेलेक्ट की मौजूदगी को मजबूत करना और ग्राहकों को प्रीमियम व डिजाइन-आधारित टाइल्स तक पहुंच को बेहतर बनाना है। यह विस्तार ऐसे समय में हुआ है जब भारत का सिरेमिक टाइल्स उद्योग लगातार बढ़ रहा है, जिसका मुख्य कारण तेजी से बढ़ती शहरीकरण और खूबसूरती से बेहतर व टिकाऊ सतहों की बढ़ती मांग है। एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, यह बाजार 2025 में 10.45 बिलियन डॉलर से बढ़कर 2026 में 11.30 बिलियन डॉलर और 2031 तक 16.70 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है, जिससे 2026 और 2031 के बीच 8.12% का छत्रकदम होगा। इस बढ़त का कारण ग्राहकों की पसंद में बदलाव

है, जहां अब लोग प्रीमियम फिनिश, बड़े आकार की टाइल्स और बेहतर डिजाइन वाले स्पेस को ज्यादा पसंद कर रहे हैं। डूंगरपुर तेजी से रिहायशी और व्यावसायिक विकास का एक महत्वपूर्ण केंद्र बन रहा है, जिससे प्रीमियम टाइल्स की मांग बढ़ रही है। ऐसे में विटरो का यहां आना शहर के विकास और आधुनिक, टिकाऊ निर्माण सामग्री की जरूरत के अनुरूप है। नए स्टोर में विटरो की टाइल्स की पूरी रेंज उपलब्ध है, जो घर और कमर्शियल दोनों तरह की जरूरतों को पूरा करती है। स्टोर को इस तरह डिजाइन किया गया है कि ग्राहक एक ही जगह पर अलग-अलग डिजाइन, फिनिश और साइज आसानी से देख और चुन सकें। विटरो सेलेक्ट को प्रेसिडेंट - सेल्स, संजय शर्मा ने कहा, 'हमारा विस्तार उन बाजारों पर केंद्रित है जहां मजबूत और लगातार मांग दिखाई दे रही है। हमारा उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि ग्राहकों को हमारे सभी प्रोडक्ट्स आसानी से मिलें और एक भरोसेमंद रिटेल नेटवर्क के माध्यम से बेहतर सेवा मिले।'

## देश में पेट केयर बाजार में तेजी, ई-कॉमर्स पर 50% से अधिक वार्षिक वृद्धि

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

**नई दिल्ली।** भारत में पेट केयर पर होने वाला खर्च तेजी से बढ़ रहा है और इस क्षेत्र में निरंतर विस्तार दर्ज किया जा रहा है। हालिया रिपोर्ट के अनुसार पेट केयर इंडस्ट्री लगभग 20 प्रतिशत की वार्षिक दर से बढ़ रही है। बढ़ती आय, शहरीकरण और पालतू जानवरों की सेहत के प्रति जागरूकता इस वृद्धि के प्रमुख कारण बताए गए हैं। ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म फ्लिपकार्ट पर भी पेट केयर श्रेणी में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई है। कंपनी के आंकड़ों के अनुसार इस श्रेणी में साल-दर-साल 50 प्रतिशत से अधिक वृद्धि हुई है। उपभोक्ता कुतूहल और बिलियनों के साथ-साथ मछलियों, पक्षियों और अन्य पालतू जानवरों के लिए दैनिक उपयोग की वस्तुओं और प्रीमियम उत्पादों की खरीदारी कर रहे हैं।

पेट केयर का दायरा अब केवल भोजन और स्वच्छता तक सीमित नहीं रहा। इसमें न्यूट्रिशन, ग्रूमिंग, वेलनेस और एनरिचमेंट जैसे विभिन्न खंड शामिल हो गए हैं। इस बदलाव में जेन जेड और मिलिट्रीयरल्स की भूमिका महत्वपूर्ण मानी जा रही है। फ्लिपकार्ट पर पेट केयर से जुड़ी कुल मांग में 80 प्रतिशत से अधिक हिस्सा इसी वर्ग से आ रहा है।

## शिक्षा से उड़ा फाउंडेशन ने आमजन को बताई सीपीआर देने की तकनीक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

**गंगापूर।** शिक्षा से उड़ा फाउंडेशन गंगापूर के संयोजक इंसाफ खान ने बताया कि वैक्सीन में कोरोना महामारी के बाद हार्ट अटैक से बड़ रही मौतों को लेकर शुक्रवार को आम जन गंगापूर को हार्ट अटैक के लक्षण एवं चिकित्सायुक्त पहुंचने तक सीपीआर देने की प्रक्रिया जो लेकर जागरूक किया इस दौरान लोगों बताया कि सीपीआर देने समय खड़े इन बातों का ध्यान एक मिनट में हार्ट को कम से-कम 60 से 80 बार पंफ करना है और 15 से 20 बार मुंह में सांस देनी है। इसका अनुपात 4:1 या 5:1 का होना चाहिए। जैसे व्यक्ति की मिनिमम हार्ट बीट 60 होनी चाहिए और हम हर मिनट में 12 से 18 बार सांस लेते हैं तो इसी हिसाब से कप्रेशन भी देना है। कप्रेशन और माउथ-टू-माउथ वेंटिलेशन दोनों जरूरी है क्योंकि मान लीजिए आप कप्रेशन के जरिए बाँधी में बलट तो पहुंचा रहे हैं, लेकिन उस बलट में ऑक्सीजन नहीं है तो उसका कोई मतलब नहीं है।



हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

## बदलते वैश्विक भू-राजनीतिक परिदृश्य के बीच 230 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय खरीदार आईजीजेएस जयपुर में शामिल

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

**जयपुर।** इंटरनेशनल जेम एंड ज्वेलरी शो (आईजीजेएस) जयपुर 2026 का आयोजन द जेम एंड ज्वेलरी एक्सपोजिशन प्रमोशन द्वारा 9 से 11 अप्रैल 2026 तक जयपुर में किया जा रहा है। यह एकजीबीशन भारतीय निर्माताओं और वैश्विक खरीदारों को एक ही मंच पर जोड़ने का कार्य कर रही है।

आईजीजेएस को एक अत्यंत क्यूरेटेड और बिजनेस-केंद्रित प्लेटफॉर्म के रूप में पहचाना जाता है, जो वैश्विक रत्न एवं अभूषण व्यापार में भारत की स्थिति को एक प्रमुख सोर्सिंग डेस्टिनेशन के रूप में मजबूत करता है।

इस वर्ष आईजीजेएसजयपुर में 85 कंपनियों 110 बूथ्स के माध्यम से अपनी भागीदारी दर्ज कर रही हैं। साथ ही, 30 देशों से आए 230 से अधिक अंतरराष्ट्रीय खरीदार इस आयोजन में शामिल हो रहे हैं। इन देशों में अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, यूरोप, लैटिन अमेरिका, ओशिनिया, मिडिल ईस्ट एवं नॉर्थ अफ्रीका, रूस और छद्म क्षेत्र शामिल हैं।

यह आयोजन वैश्विक भू-राजनीतिक परिस्थितियों के बदलते परिदृश्य के बीच भारत के जेम और ज्वेलरी सेक्टर के लिए नए व्यापारिक अवसरों को सुनिश्चित करने और निर्यात को बढ़ावा देने की दिशा में एक



महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहा है। इस एकजीबीशन का उद्घाटन सीमा शुल्क निवारक विभाग, नई दिल्ली के मुख्य सीमा शुल्क आयुक्त श्री संजय गुप्ता ने जयपुर के सीमा शुल्क आयुक्त श्री आर. के. चंदन, जीजेईपीसी के उपाध्यक्ष श्री शौनक पारिख, जीजेईपीसी के क्षेत्रीय अध्यक्ष (राजस्थान) श्री योगेंद्र गर्ग, जीजेईपीसी के अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनियों के संयोजक श्री विजय मंगुनिया और जीजेईपीसी के कार्यकारी निदेशक श्री सख्तसचि राय सहित कई विशिष्ट गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में किया। इस अवसर पर बोलते हुए, सीमा शुल्क निवारक विभाग, नई दिल्ली के मुख्य आयुक्त श्री संजय गुप्ता

ने कहा, 'मुझे यह देखकर खुशी हो रही है कि जीजेईपीसी वैश्विक मंच पर बांड इंडिया को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। आईजीजेएस जैसे मंच न केवल भारत की विनिर्माण क्षमताओं की गहराई को प्रदर्शित करते हैं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय खरीदारों के बीच विश्वास भी बढ़ाते हैं। सीमा शुल्क विभाग के रूप में, हमारी प्रतिबद्धता स्पष्ट है-हम व्यापार को सुगम बनाना, प्रक्रियाओं को सरल बनाना और उद्योग को उसके विकास पथ पर समर्थन देना जारी रखेंगे।'

जयपुर के सीमा शुल्क आयुक्त श्री आर. के. चंदन ने कहा, 'सीमा शुल्क विभाग केवल नियामक ही नहीं है, बल्कि व्यापार को सुगम बनाने वाला

## पार्किंगन के इलाज में नया परिवर्तन: डीबीएस सर्जरी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बढ़ती भूमिका

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

**जयपुर।** पार्किंगन रोग को एक जटिल न्यूरोलॉजिकल बीमारी के रूप में समझा जाता है, जिसमें समय के साथ लक्षण धीरे-धीरे बढ़ते हैं। इसमें हाथों का कांपना, मांसपेशियों में जकड़न, चलने में कठिनाई और संतुलन की समस्या शामिल होती है। शुरूआत में दवाओं के जरिए लक्षणों को नियंत्रित किया जाता है, लेकिन लंबे समय के बाद दवाओं का असर सीमित होने लगता है।



एआई आधारित सिस्टम मरीज की गतिविधियों और लक्षणों पर लगातार नजर रखता है। यह डेटा डॉक्टरों तक पहुंचाया जाता है, जिससे इलाज में समय-समय पर बदलाव किया जाता है।

## राजस्थान कर्मचारी वयन बोर्ड की परीक्षाओं के लिए नियंत्रण कक्ष स्थापित

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

**जयपुर।** राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा शनिवार, 18 अप्रैल 2026 को कृषि पर्यवेक्षक सीधी भर्ती परीक्षा 2026 आयोजित होगी। जिला कलक्टर श्री संदेश नायक ने बताया कि परीक्षा के सुचारू एवं सफल संचालन के लिये कलक्टर के कम्पा नम्बर 116 में एक नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गई है, जो दिनांक 16 अप्रैल से 17 अप्रैल 2026 तक प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक कार्य करेगा।



## खैरथल स्टेशन के पुनर्विकास से आर्थिक अवसरों में होगी वृद्धि

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

**जयपुर।** खैरथल रेलवे स्टेशन उत्तर पश्चिम रेलवे के जयपुर मंडल में स्थित है। यह स्टेशन स्थानीय कला और आधुनिक डिजाइन का अनूठा मिश्रण प्रस्तुत करता है। खैरथल में बड़ी अनाज और सब्जी मंडी है। यह अलवर जिले का एक प्रमुख व्यापारिक केंद्र है। यह स्टेशन आसपास के क्षेत्रों जैसे किशनगढ़ ब्लाक, तिजारा और खैरथल के यात्रियों के लिए एक महत्वपूर्ण कनेक्टिविटी पॉइंट रहा है। खैरथल रेलवे स्टेशन पर 46 ट्रेनों का उद्वारण दिया गया है। यहां से औसतन 4830 यात्री प्रतिदिन यात्रा करते हैं। अमृत लागत स्टेशन योजना के तहत लगभग 12.79 करोड़ रुपये की लागत से किए गए इस कार्य में स्टेशन को आधुनिक और यात्री-अनुकूल बनाया गया है। स्टेशन के भवन को पूर्ण रूप से नवीनीकृत किया गया है। साथ ही स्टेशन भवन में पोच का निर्माण भी किया गया है।

सकुलेंटिंग क्षेत्र में सुविधा क्षेत्र को 1200 वर्ग मीटर से बढ़कर 3600 वर्ग मीटर किया गया है तथा अलग-अलग प्रवेश और निकास द्वार का प्रावधान किया गया है। दोपहिया और चौपहिया वाहनों के लिए पृथक पार्किंग का प्रावधान किया गया है। 4.19 करोड़ रुपये की लागत से 12 मीटर चौड़ा ऊपरी पैदल पुल (एफओबी) का निर्माण किया गया है जिसमें रैमप और कर्बिंग शेड का भी प्रावधान किया गया है। प्लेटफॉर्म के 4197 वर्ग मीटर सतह को नवीनीकृत किया गया है। स्टेशन भवन के अन्दर 300 वर्ग मीटर में कलात्मक चित्र बनाये गये हैं।

यह है डीबीएस और कैसे मदद करती है एआई

डीबीएस सर्जरी में मस्तिष्क के उन हिस्सों को टारगेट किया जाता है, जो मूवमेंट को नियंत्रित करते हैं। इसमें इलेक्ट्रोड्स लगाए जाते हैं, जो असामान्य ब्रेन सिग्नल्स को संतुलित करने का काम करते हैं।

हालांकि एआई के उपयोग से डीबीएस सर्जरी में काफी सुधार देखा जाता है, लेकिन कुछ चुनौतियां भी सामने आती हैं। हर अस्पताल में यह तकनीक उपलब्ध नहीं होती और इसकी लागत भी अधिक होती है। इसके अलावा, तकनीक को सही तरीके से इस्तेमाल करने के लिए विशेषज्ञों की ट्रेनिंग जरूरी होती है।

स्मार्ट प्रोग्रामिंग और बेहतर रिजल्ट्स

डीबीएस सर्जरी के बाद डिवाइस की प्रोग्रामिंग एक महत्वपूर्ण चरण माना जाता है। पहले यह प्रक्रिया समय लेने वाली होती है, जिसमें कई बार सेटिंग्स बदलनी पड़ती हैं।

पार्किंगन के इलाज में डीबीएस सर्जरी पहले से ही एक प्रभावी विकल्प मानी जाती है। अब एआई के जुड़ने से इसे और अधिक उन्नत और मरीज के अनुसार अनुकूल बनाया जाता है। इस बदलाव के साथ इलाज की दिशा स्मार्ट और सटीक होती दिखाई देती है, जहां हर मरीज को उसकी जरूरत के अनुसार बेहतर परिणाम दिया जाता है।

सर्जरी प्लानिंग में एआई की अहम भूमिका

एआई इस प्रक्रिया को आसान बनाता है। यह मरीज के लक्षणों और रिस्को को समझकर डिवाइस की सेटिंग्स को अपने आप एडजस्ट करने में मदद करता है। इससे मरीज को जल्दी राहत मिलती है और बार-बार अस्पताल जाने की जरूरत कम होती है।

समय के साथ स्मार्ट इलाज की ओर बढ़ता कदम

रियल टाइम मॉनिटरिंग से मिलती है बेहतर देखभाल

एआई इस प्रक्रिया को आसान बनाता है। यह मरीज के लक्षणों और रिस्को को समझकर डिवाइस की सेटिंग्स को अपने आप एडजस्ट करने में मदद करता है। इससे मरीज को जल्दी राहत मिलती है और बार-बार अस्पताल जाने की जरूरत कम होती है।

## स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ऑफिसर्स एसोसिएशन जयपुर सर्किल द्वारा महत्वपूर्ण ऑफिसर्स मीट का आयोजन

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

**जयपुर।** स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ऑफिसर्स एसोसिएशन जयपुर सर्किल द्वारा एक महत्वपूर्ण ऑफिसर्स मीट का आयोजन एसबीआई जयपुर के प्रधान कार्यालय में हुआ। जिसमें कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसबीआई जयपुर सर्किल के मुख्य महाप्रबंधक संदीप भटनागर ने एसबीआई के अधिकारियों को सराहना करते हुए कहा कि एसबीआई अधिकारी एसोसिएशन के द्वारा अधिकारियों के कल्याण, संवाद और सकारात्मक कार्य लावकार को मजबूत करने के प्रयासों के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि प्रबंधन और एसोसिएशन के बीच सकारात्मक संवाद से बैंक को कार्यक्षम और अधिक सुदृढ़ होती है तथा अधिकारियों के मनोबल को भी बल मिलता है। समारोह के मुख्य वक्ता एवं अतिथि एवं अखिल भारतीय स्तर के नेता कॉमरेड रूपम रॉय, महासचिव, एआईएसबीओएफ एवं एआईबीओसी, ने अपने जयपुर दौरे के दौरान अधिकारियों को संबोधित



किया। अपने संबोधन में कॉमरेड रूपम रॉय ने बैंकिंग क्षेत्र में अधिकारियों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से विचार व्यक्त किए। उन्होंने विशेष रूप से विभिन्न मुद्दों से संबंधित मुद्दों पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि बैंकिंग क्षेत्र में बढ़ते कार्यभार और बदलते परिवेश को देखते हुए अधिकारियों के लिए पाँच दिन का बैंकिंग सप्ताह समय की आवश्यकता है, जिससे कार्य-जीवन संतुलन बेहतर हो सके और कर्मचारियों की कार्यक्षमता भी बढ़े। उन्होंने ने कहा कि अधिकारियों के परिश्रम और प्रदर्शन के अनुरूप उन्हें

उचित प्रोत्साहन मिलना चाहिए। इस अवसर पर बैंक प्रबंधन की ओर से जनरल मैनेजर मनीष सिंघल, प्रबुद्ध कुमार तथा डीजीएम एवं सीडीओ प्रदीप किशोर पांडा उपस्थित रहे और कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। कार्यक्रम के दौरान एसबीआईओए जयपुर सर्किल के अध्यक्ष राजेश आर. जैन तथा महासचिव रामावतार सिंह जाखड़ ने भी अधिकारियों को संबोधित किया। उन्होंने बैंक के विकास एवं संगठन की गतिविधियों, अधिकारियों के हितों से जुड़े मुद्दों तथा भविष्य की रणनीति पर अपने विचार साझा किए।

## सैनिक परिवारों के लिए जयपुर के स्कूली छात्रों ने बनाया 'वीरसहारा' ऐप

कर्मल राज्यवर्धन राठौड़ ने लॉन्च कर सराहा

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

**जयपुर।** सैनिकों और उनके परिवारों को सरकारी कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी और उन तक पहुंच आसान बनाने की दिशा में एक अहम पहल करते हुए जयपुर के स्कूली छात्रों ने 'वीरसहारा' ऐप लॉन्च किया। यह, दृढ़-समर्पित डिजिटल प्लेटफॉर्म जयश्री पेरिवाल इंटरनेशनल स्कूल के कक्षा 12 के दो विद्यार्थि कनिष्क रूंगटा और कृष्ण रूंगटा ने विकसित किया है। ऐप का लॉन्च राजस्थान सरकार के सैनिक कल्याण मंत्री कर्मल राज्यवर्धन राठौड़ की मौजूदगी में हुआ।

उपलब्ध जानकारी का लाभ ले चुके हैं। इस मौके पर कर्मल राज्यवर्धन राठौड़ ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि, 'युवा विद्यार्थियों द्वारा तकनीक को संवेदशीलता और उद्देश्य के साथ इस्तेमाल करते हुए की गई यह पहल अत्यंत सराहनीय है। वीरसहारा का डिजाइन अलग है, यह बहुत यूजर-फ्रेंडली है और मौजूदा समय की एक वास्तविक जरूरत को पूरा करता है। यह रक्षा परिवारों को सम्मान, पारदर्शिता और सहजता के साथ जानकारी व लाभ उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।'

वीरसहारा को इस तरह डिजाइन किया गया है कि पूर्व सैनिक, वीरगंगाए, आश्रित और शहीद परिवार अपनी पात्रता के अनुसार सरकारी योजनाओं की जानकारी आसानी से प्राप्त कर सकें और सीधे आवेदन लिंक तक पहुंच सकें। सरल और यूजर-फ्रेंडली इंटरफेस वाले इस प्लेटफॉर्म पर दी गई जानकारी के आधार पर उपयोगकर्ताओं को उन योजनाओं और लाभों से अवगत किया जाता है, जिनके लिए वे पात्र हो सकते हैं। लॉन्च के कुछ ही समय में इस ऐप को उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिलनी शुरू हो गई है और 200 से अधिक परिवार इस प्लेटफॉर्म पर





## संपादकीय बदलता परिदृश्य

डॉ विजय गर्ग

समय के साथ समाज, संस्कृति, अर्थव्यवस्था और तकनीक—सभी क्षेत्रों में निरंतर परिवर्तन होता रहता है। यही परिवर्तन एक नए परिदृश्य का निर्माण करता है, जो हमारे जीवन के हर पहलू को प्रभावित करता है। आज का बदलता परिदृश्य पहले की तुलना में कहीं अधिक तेज, जटिल और बहुआयामी है।

सबसे प्रमुख बदलाव तकनीकी क्षेत्र में देखने को मिलता है। इंटरनेट, स्मार्टफोन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने हमारे जीवन को पूरी तरह बदल दिया है। जहाँ पहले सूचनाएँ प्राप्त करना कठिन था, वहीं आज एक क्लिक पर दुनिया की जानकारी उपलब्ध है। शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार और मनोरंजन—हर क्षेत्र में डिजिटल क्रांति ने नई संभावनाओं के द्वार खोले हैं। हालाँकि, इसके साथ ही डिजिटल असमानता और निजता की चुनौतियाँ भी सामने आई हैं।

सामाजिक परिदृश्य भी तेजी से बदल रहा है। पारंपरिक मूल्य और आधुनिक सोच के बीच संतुलन बनाने की कोशिश जारी है। संयुक्त परिवारों की जगह एकल परिवारों का बढ़ना, महिलाओं की बढ़ती भागीदारी, और युवाओं के बदलते दृष्टिकोण—ये सभी बदलाव समाज को नई तस्वीर पेश करते हैं। साथ ही, सामाजिक मीडिया ने लोगों को जोड़ने के साथ-साथ कई बार उन्हें अलग-थलग भी किया है।

आर्थिक क्षेत्र में भी बदलाव स्पष्ट है। वैश्वीकरण और उदारीकरण ने व्यापार और रोजगार के नए अवसर प्रदान किए हैं। स्टार्टअप संस्कृति का उदय, फ्रीलांसिंग और गिग इकॉनमी का बढ़ना, युवाओं के लिए नए रास्ते खोल रहा है। लेकिन इसके साथ ही रोजगार की अस्थिरता और प्रतिस्पर्धा भी बढ़ी है।

पर्यावरणीय दृष्टि से भी परिदृश्य चिंताजनक है। जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध उपयोग हमारी पृथ्वी के भविष्य के लिए खतरा बनता जा रहा है। यह आवश्यक है कि विकास के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को भी समान महत्व दिया जाए।

अंततः, बदलता परिदृश्य हमें चुनौतियों के साथ-साथ अवसर भी प्रदान करता है। यह हम पर निर्भर करता है कि हम इन परिवर्तनों को कैसे अपनाते हैं। यदि हम सकारात्मक सोच, नवाचार और संतुलन के साथ आगे बढ़ें, तो यह बदलता परिदृश्य एक उज्वल भविष्य का मार्ग प्रशस्त कर सकता है।

हालांकि यह एक मानकीकृत चयन प्रक्रिया सुनिश्चित करता है, लेकिन तीव्र प्रतिस्पर्धा, सीमित सीटें और उच्च दबाव के कारण कई सक्षम छात्र अक्सर विकल्पों की तलाश में रहते हैं। सौभाग्य से, उन लोगों के लिए कई रास्ते मौजूद हैं जो नीट की परीक्षा पास किए बिना स्वास्थ्य देखभाल और जीवन विज्ञान में सार्थक करियर बनाना चाहते हैं।

1। संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान: स्वास्थ्य देखभाल क्षितिज का विस्तार संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान अनेक कैरियर विकल्प प्रदान करता है जो रोगी देखभाल और चिकित्सा सहायता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। फिजियोथेरेपी में स्नातक (बीपीटी), व्यावसायिक चिकित्सा में स्नातकोत्तर (बीओटी), मेडिकल प्रयोगशाला प्रौद्योगिकी (बीएमएलटी), तथा रेडियोलॉजी और इमेजिंग टेक्नोलॉजी जैसे पाठ्यक्रम उच्च विकल्प हैं। ये पेशेवर डॉक्टरों के साथ मिलकर काम करते हैं और निदान, पुनर्वास और उपचार के लिए आवश्यक होते हैं।

2। नर्सिंग: एक महान और पुरस्कृत पेशा नर्सिंग स्वास्थ्य देखभाल में सबसे सम्मानित व्यवसायों में से एक है। छात्र बी.एससी कर सकते हैं। कई संस्थानों में एनईईटी के बिना नर्सिंग या जनरल नर्सिंग और मिडवाइफरी (जीएनएम) कार्यक्रम। बढ़ती वैश्विक मांग के साथ, नर्सिंग भारत और विदेश दोनों में स्थिर कैरियर अवसर प्रदान करता है।

3। फार्मसी: चिकित्सा और अनुसंधान को जोड़ना फार्मसी में स्नातक (बी.फार्म) एक और आशाजनक विकल्प है। फार्मासिस्ट दवाओं के निर्माण, विकास और वितरण में विशेषज्ञ होते हैं। दवा उद्योग के उदय के साथ, यह क्षेत्र अनुसंधान, गुणवत्ता नियंत्रण और स्वास्थ्य सेवा में अवसर प्रदान करता है।

## नीट यूजी से परे वैकल्पिक मार्ग: भारत में चिकित्सा करियर पर पुनर्विचार

डॉ विजय गर्ग

रूपीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) भारत में स्नातक चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करने की आकांक्षा रखने वाले छात्रों के लिए प्राथमिक द्वार बन गया है। हालांकि यह एक मानकीकृत चयन प्रक्रिया सुनिश्चित करता है, लेकिन तीव्र प्रतिस्पर्धा, सीमित सीटें और उच्च दबाव के कारण कई सक्षम छात्र अक्सर विकल्पों की तलाश में रहते हैं। सौभाग्य से, उन लोगों के लिए कई रास्ते मौजूद हैं जो नीट की परीक्षा पास किए बिना स्वास्थ्य देखभाल और जीवन विज्ञान में सार्थक करियर बनाना चाहते हैं।

1। संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान: स्वास्थ्य देखभाल क्षितिज का विस्तार संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान अनेक कैरियर विकल्प प्रदान करता है जो रोगी देखभाल और चिकित्सा सहायता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। फिजियोथेरेपी में स्नातक (बीपीटी), व्यावसायिक चिकित्सा में स्नातकोत्तर (बीओटी), मेडिकल प्रयोगशाला प्रौद्योगिकी (बीएमएलटी), तथा रेडियोलॉजी और इमेजिंग टेक्नोलॉजी जैसे पाठ्यक्रम उच्च विकल्प हैं। ये पेशेवर डॉक्टरों के साथ मिलकर काम करते हैं और निदान, पुनर्वास और उपचार के लिए आवश्यक होते हैं।

2। नर्सिंग: एक महान और पुरस्कृत पेशा नर्सिंग स्वास्थ्य देखभाल में सबसे सम्मानित व्यवसायों में से एक है। छात्र बी.एससी कर सकते हैं। कई संस्थानों में एनईईटी के बिना नर्सिंग या जनरल नर्सिंग और मिडवाइफरी (जीएनएम) कार्यक्रम। बढ़ती वैश्विक मांग के साथ, नर्सिंग भारत और विदेश दोनों में स्थिर कैरियर अवसर प्रदान करता है।

3। फार्मसी: चिकित्सा और अनुसंधान को जोड़ना फार्मसी में स्नातक (बी.फार्म) एक और आशाजनक विकल्प है। फार्मासिस्ट दवाओं के निर्माण, विकास और वितरण में विशेषज्ञ होते हैं। दवा उद्योग के उदय के साथ, यह क्षेत्र अनुसंधान, गुणवत्ता नियंत्रण और स्वास्थ्य सेवा में अवसर प्रदान करता है।

4। जैव प्रौद्योगिकी और जीवन विज्ञान अनुसंधान और नवाचार की ओर झुकाव वाले छात्रों के लिए जैव प्रौद्योगिकी, सूक्ष्मजीव विज्ञान और जैव रसायन उच्च विकल्प हैं। ये विषय चिकित्सा प्रगति, वैकसीन विकास और रोग अनुसंधान में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। स्नातक प्रयोगशालाओं, अनुसंधान संस्थानों और बायोटेक कंपनियों में काम कर सकते हैं।

5। आयुष पाठ्यक्रम: चिकित्सा की पारंपरिक प्रणालियाँ भारत आयुष (आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, उनानी, सिद्धा और होम्योपैथी) के अंतर्गत विभिन्न स्नातक पाठ्यक्रम प्रदान करता है। बीएएमएस (आयुर्वेद), बीएचएमएस (होम्योपैथी) और बीयुएमएस (उनानी) जैसे कार्यक्रम वैकल्पिक चिकित्सा शिक्षा प्रदान करते हैं। इनमें से कुछ के लिए हृदयध्मन की आवश्यकता हो सकती है, लेकिन प्रवेश नीतियाँ अलग-अलग हो सकती हैं, जिससे इन पर विचार करना उचित होगा।

6। पैरामेडिकल पाठ्यक्रम: स्वास्थ्य देखभाल में त्वरित प्रवेश पैरामेडिकल विज्ञान में डिप्लोमा और डिग्री पाठ्यक्रम छात्रों को स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में शीघ्र प्रवेश करने का अवसर प्रदान करते हैं। आपातकालीन चिकित्सा सेवाएँ, डायलिसिस प्रौद्योगिकी और ऑपरेशन थियेटर प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों की अत्यधिक मांग है।

7। मनोविज्ञान और मानसिक स्वास्थ्य करियर मानसिक स्वास्थ्य के बारे में बढ़ती जागरूकता के साथ, मनोविज्ञान एक महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में उभरा है। छात्र मनोविज्ञान में स्नातक की डिग्री प्राप्त कर सकते हैं और बाद में नैदानिक या परामर्श मनोविज्ञान में विशेषज्ञता हासिल कर सकते हैं, जिससे मानसिक स्वास्थ्य में योगदान मिलता है।

8। विदेश में चिकित्सा का अध्ययन करना कुछ छात्र रूस, यूक्रेन या फिलीपींस जैसे देशों में एमबीबीएस करने पर विचार करते हैं, जहाँ प्रवेश प्रक्रिया भिन्न हो सकती है। हालाँकि, उन्हें भारत में अभ्यास करने के लिए अभी भी स्क्रिनिंग परीक्षाओं से अर्हता प्राप्त करनी होगी, इसलिए इस विकल्प का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करना महत्वपूर्ण है।

प्रौद्योगिकी और नवाचार: जहाँ इंजीनियरिंग का सामना चिकित्सा से होता है यदि आप सिर्फ 'कौन' के बजाय चिकित्सा के 'कैसे' से प्रभावित हैं, तो प्रौद्योगिकी और जीव विज्ञान का अंतर्संबंध 2026 की सबसे रोमांचक सीमा है। बायोमेडिकल इंजीनियरिंग: कृत्रिम अंग, कृत्रिम अंग और उन्नत सर्जिकल रोबोट का डिजाइन। जैव सूचना विज्ञान और एआई: रोग के प्रकोप की भविष्यवाणी करने या कैंसर उपचार को व्यक्तिगत बनाने के लिए डेटा का उपयोग करना। यह क्षेत्र वर्तमान में बंगलुरु और हैदराबाद जैसे केंद्रों में भारी भरती वृद्धि देख रहा है, जहाँ वरिष्ठ भूमिकाएँ ₹1520 एलपीए से अधिक हैं। आनुवंशिक इंजीनियरिंग: वंशानुगत बीमारियों को ठीक करने के लिये सीआरआईएसपीआर और जीन थेरेपी पर काम करना। 13। उपचार का

व्यवसाय: प्रशासन और सार्वजनिक स्वास्थ्य सभी मेडिकल हीरो किसी क्लिनिक में काम नहीं करते। कुछ लोग ऐसी प्रणालियाँ डिजाइन करते हैं जो एक साथ हजारों लोगों की जान बचाती हैं। अस्पताल प्रशासन (बीएचए/एमएचए) आधुनिक अस्पताल बहु-मिलियन डॉलर के उद्यम हैं। अस्पताल प्रशासक इन संस्थानों के रसद, वित्त और गुणवत्ता मानकों (जैसे एनएबीएच) का प्रबंधन करते हैं। यह स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में एक उच्च दांव वाली कॉर्पोरेट भूमिका है।

सार्वजनिक स्वास्थ्य और महामारी विज्ञान महामारी के बाद की दुनिया ने सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों पर अधिक ध्यान दिया है। डब्ल्यूएचओ, यूनिसेफ या भारतीय सरकार जैसे संगठनों के साथ काम करते हुए, ये पेशेवर स्वास्थ्य प्रवृत्तियों का विश्लेषण करते हैं और बड़े पैमाने पर टीकाकरण और पोषण कार्यक्रम तैयार करते हैं।

वैकल्पिक चिकित्सा: एकीकृत विकास आयुष मंत्रालय के माध्यम से सरकारी प्रयासों के साथ, चिकित्सा की पारंपरिक प्रणालियाँ पुनः उभर रही हैं। बीएएमएस (आयुर्वेद) और बीएचएमएस (होमियोपैथी) जैसी डिग्रियाँ अब 'बैकअप' नहीं हैं वे अब एक एकीकृत स्वास्थ्य देखभाल मॉडल का हिस्सा हैं, जहाँ मरीज पारंपरिक चिकित्सा के साथ-साथ समय उपचार चाहते हैं। मुख्य अंतर्दृष्टि: 2026 में, कई निजी क्लिनिक कल्याण और निवारक चिकित्सा शाखाओं का नेतृत्व करने के लिए बीएएमएस चिकित्सकों को नियुक्त कर रहे हैं, जो भारत में एक बहु-अरब डॉलर उद्योग बन गया है। अपना मार्ग चुनना: एक निर्णय ढांचा

वैकल्पिक चिकित्सा: एकीकृत विकास आयुष मंत्रालय के माध्यम से सरकारी प्रयासों के साथ, चिकित्सा की पारंपरिक प्रणालियाँ पुनः उभर रही हैं। बीएएमएस (आयुर्वेद) और बीएचएमएस (होमियोपैथी) जैसी डिग्रियाँ अब 'बैकअप' नहीं हैं वे अब एक एकीकृत स्वास्थ्य देखभाल मॉडल का हिस्सा हैं, जहाँ मरीज पारंपरिक चिकित्सा के साथ-साथ समय उपचार चाहते हैं। मुख्य अंतर्दृष्टि: 2026 में, कई निजी क्लिनिक कल्याण और निवारक चिकित्सा शाखाओं का नेतृत्व करने के लिए बीएएमएस चिकित्सकों को नियुक्त कर रहे हैं, जो भारत में एक बहु-अरब डॉलर उद्योग बन गया है। अपना मार्ग चुनना: एक निर्णय ढांचा

अपने चिकित्सा करियर पर पुनर्विचार करते समय, स्वयं से पूछें कि आपको सच्ची रुचि कहाँ है रोगी संपर्क? यदि आप लोगों की सीधे मदद करना पसंद करते हैं, लेकिन आपको एमबीबीएस नहीं मिला है, तो फिजियोथेरेपी, नर्सिंग या क्लिनिकल साइकोलॉजी को देखें। प्रयोगशाला और अनुसंधान: यदि आप पढ़ें के पीछे का विज्ञान पसंद करते हैं, तो मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी (एमएलटी) या जैव प्रौद्योगिकी आपके लिए सबसे अच्छा विकल्प है। उच्च तकनीक उपकरण: यदि आप जटिल मशीनरी का संचालन करना पसंद करते हैं, तो रेडियोलॉजी या कार्डियक केयर टेक्नोलॉजी आपके लिए बेहतर निर्यात मार्ग प्रदान करती है। नेतृत्व और नीति: यदि आपके पास विश्लेषणात्मक दिमाग है, तो अस्पताल प्रशासन या सार्वजनिक स्वास्थ्य का पता लगाएं।

निकर्र्ष नीट-यूजी एक महत्वपूर्ण परीक्षा है, लेकिन यह स्वास्थ्य देखभाल में सफल करियर का एकमात्र रास्ता नहीं है। चिकित्सा क्षेत्र विशाल और विविध है, जो विभिन्न रुचियों और क्षमताओं के अनुरूप अनेक अवसर प्रदान करता है। नीट को सफलता का एकमात्र निर्धारक मानने के बजाय, छात्रों को वैकल्पिक मार्गों की खोज करनी चाहिए जो उनकी शक्तियों और आवश्यकताओं के अनुरूप हों। सही विकल्प और समर्पण के साथ, कोई भी व्यक्ति नीट से परे स्वास्थ्य सेवा की दुनिया में एक संतुष्टिदायक और प्रभावशाली करियर बना सकता है।

डॉ विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रधान शैक्षिक स्तंभकार प्रख्यात शिक्षाशास्त्री स्ट्रीट कौर चंद एमएचआर मल्टी पंजाब

## तीन देशों के अहंकार में फंसी दुनिया, युद्ध नहीं, तेल-गैस की चिंता ने बढ़ाई वैश्विक बेचैनी

इस्वीसर्वी सदी के तीसरे दशक में वैश्विक राजनीति एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहाँ 'शक्ति ही सत्य है' की अवधारणा पुनर्जीवित हो गई है। दुनिया का सबसे धनी देश और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं का सबसे बड़ा वित्तपोषक होने के नाते अमेरिका ने स्वयं को एक ऐसे 'वैश्विक दारोगा' के रूप में स्थापित कर लिया है, जिसे रोकने का साहस वर्तमान में किसी भी अंतरराष्ट्रीय इकाई के पास नहीं दिखता। संयुक्त राष्ट्र से लेकर विश्व बैंक तक, अधिकांश संस्थाएँ अमेरिकी संसाधनों पर टिकी हैं। ऋण के जाल में फंसे देश हों या व्यापारिक समझौतों की बैसाखियों पर टिकी अर्थव्यवस्थाएँ, कोई भी अमेरिका की नीतियों के विरुद्ध स्वर मुखर करने की स्थिति में नहीं है। इसी वर्चस्व की अगली कड़ी इरान और अमेरिका-इजराइल के सैन्य

संघर्ष के रूप में एक महीने से भी अधिक समय तक दिखती रही। मगर अब अमेरिका और इरान के बीच दो सप्ताह के अस्थायी युद्धविराम पर समझौता हुआ है। इसके बाद उम्मीद की जानी चाहिए कि स्थायी शांति की राहें निकलेंगी। यह समझौते बीते कई दिनों से जारी भीषण संघर्ष के बाद एक अहम मोड़ मानी जा रही है। इसकी मुख्य शर्तों के अनुसार, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इरान पर होने वाले सभ्यता सैन्य हमलों को दो सप्ताह के लिए निलंबित करने की घोषणा की है। इसके साथ ही इजराइल ने भी इरान के विरुद्ध अपने सैन्य अभियानों को रोकने पर सहमति जताई है। दूसरी ओर, इरान हेमोजुंज जलमार्ग को खोलने के सहमत हो गया है। जहाजों की आवाजाही इरानी सैन्य प्रबंधन के तहत होगी। इस समझौते में पाकिस्तान ने

मुख्य मध्यस्थ की भूमिका निभाई है। इरान ने जो दस सूत्रीय प्रस्ताव दिये हैं, यह समझौता उसी पर आधारित है, जिसे अमेरिका ने चर्चा के लिए स्वीकार किया है। इसमें इरान पर प्रतिबंधों को हटाने और उसे मुआवजा देने जैसी माँग शामिल हैं। हालाँकि इजराइल ने स्पष्ट किया है कि उसकी अरब-अमीरात और कतर जैसे देश न केवल रुजा के अग्रणी उत्पादक हैं, बल्कि अमेरिका के रणनीतिक साझेदार भी हैं। अमेरिका ने अपनी कृतीति से

इन देशों को अपने हितों के अनुरूप साथ लिया है, लेकिन इरान इस समीकरण में हमेशा उसके लिए एक कान्टा बना रहा। उसके परमाणु अनुसंधान में लिस होने और परमाणु ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना करने की आशंका अमेरिका के लिए सिरदर्द बनी हुई थी। समय के साथ अमेरिका का नेतृत्व बदला, तो डोनाल्ड ट्रंप के कड़े निर्णयों और दूसरों से अलग चलने की उनकी नीति ने इस सुलगाती आग में धी का काम किया। फरवरी के अंतिम दिनों में इजराइल को ढाल बना कर अमेरिका ने जो मिसाइल हमला शुरू किया, उसने इरान को सीधे युद्ध के मैदान में खींच लिया।

पिछले एक महीने से ज्यादा समय से पश्चिमी एशिया भीषण युद्ध का साक्षी है। अमेरिका ने इरान के तेल और गैस संयंत्रों को निशाना बना कर उसकी आर्थिक रीढ़ तोड़ने की कोशिश की। इससे पूरी दुनिया को होने वाली तेल-गैस की आपूर्ति का ढांचा बुरी तरह ढह गया। इरान ने भी बदला लेने की नीति अपनाई। प्रतिक्रिया स्वरूप उसने सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कतर से होने वाली नियमित वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को भी बाधित कर दिया। अब कुछ समय के लिए युद्धविराम से तेल संकट दूर होने की उम्मीद की जा सकती है।

पिछले कई दिनों तक चले युद्ध में सबसे विचलित करने वाली खबर इरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई और उनके परिवार से जुड़ी रही। अमेरिकी हमलों में खामेनेई, उनकी पत्नी और शीर्ष सैन्य अधिकारियों के मारे जाने या गायब होने की खबरों ने इरान में प्रतिशोध की ज्वाला को और भड़का दिया था। नए इरानी नेतृत्व ने अपनी

पूरी सैन्य शक्ति झोंकते हुए खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य ठिकानों और ऊर्जा केंद्रों को भारी क्षति पहुंचाई। इजराइल और अमेरिका को भी इस युद्ध में इरान से कम नुकसान नहीं हुआ। अमेरिका की कार्रवाई के पीछे चार मुख्य उद्देश्य स्पष्ट थे। पहला, परमाणु शक्ति पर अंकुश। इरान को परमाणु संपन्न राष्ट्र बनने से रोकना। दूसरा, आतंकवाद का समूल नाश। अमेरिका की दृष्टि में इरान समर्थित आतंकी गुट वैश्विक शांति के लिए खतरा है, जिन्हें वह जड़ से उखाड़ना चाहता है। तीसरा, सत्ता परिवर्तन। इरानी जनता के एक वर्ग में खामेनेई शासन के प्रति असंतोष को भुना कर अमेरिका वहाँ एक 'अनुकूल' शासन व्यवस्था स्थापित करना चाहता है। चौथा, ऊर्जा संसाधनों पर आधिपत्य। अमेरिका का सबसे बड़ा उद्देश्य इरान के विशाल तेल और गैस

भंडारों पर अपना नियंत्रण स्थापित करना है, ताकि वैश्विक ऊर्जा बाजार की चाबी पूरी तरह उसके पास हो। इस युद्ध का सबसे दुखद पहलू यह रहा कि तीन देशों के इस अहंकार में पूरी दुनिया की आर्थिक व्यवस्था और ऊर्जा श्रृंखला पर गंभीर असर पड़ा। राहत की बात केवल इतनी रही कि अभी तक कोई केवल इतनी स्थिति स्पष्ट रूप से युद्ध के मैदान में नहीं उतरा।

न तो नाटो अमेरिका की ओर से खुल कर आया और न ही रूस या चीन ने इरान के पक्ष में सीधे अपनी सेनाएँ उतारीं। भारत जैसे देश, जो अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए खाड़ी पर निर्भर हैं, वे तटस्थ रहे। भले ही रूस, चीन और उत्तर कोरिया प्रत्यक्ष रूप से युद्ध में नहीं उतरे, किंतु उनकी भूमिका निष्क्रिय भी नहीं थी। वे अमेरिका और इजराइल को युद्ध रोकने की चेतावनी

देते रहे। दुनिया भर के देशों की मंशा को बारीकी से परखा जाए, तो एक कटु सत्य सामने आता है। अधिकांश देशों को इस बात से वास्तव में बहुत ज्यादा सरोकार नहीं दिखता कि अमेरिका की कितना नुकसान हुआ या इरान में कितने लोग मारे गए। उनकी वास्तविक चिंता तेल और गैस की सुचारु आपूर्ति को लेकर है। दुनिया को डर है कि यदि इरान ने प्रतिशोध में पूरे खाड़ी क्षेत्र के तेल कुओं को तबाह कर दिया, तो वैश्विक अर्थव्यवस्था का पहिया धम धम इरान में घूमने से रुकने का पहिया धम धम उतारें। भारत जैसे देश, जो अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए खाड़ी पर निर्भर हैं, वे तटस्थ रहे। भले ही रूस, चीन और उत्तर कोरिया प्रत्यक्ष रूप से युद्ध में नहीं उतरे, किंतु उनकी भूमिका निष्क्रिय भी नहीं थी। वे अमेरिका और इजराइल को युद्ध रोकने की चेतावनी

द्वारा की गई। दुनिया को डर है कि यदि इरान ने प्रतिशोध में पूरे खाड़ी क्षेत्र के तेल कुओं को तबाह कर दिया, तो वैश्विक अर्थव्यवस्था का पहिया धम धम इरान में घूमने से रुकने का पहिया धम धम उतारें। भारत जैसे देश, जो अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए खाड़ी पर निर्भर हैं, वे तटस्थ रहे। भले ही रूस, चीन और उत्तर कोरिया प्रत्यक्ष रूप से युद्ध में नहीं उतरे, किंतु उनकी भूमिका निष्क्रिय भी नहीं थी। वे अमेरिका और इजराइल को युद्ध रोकने की चेतावनी

द्वारा की गई। दुनिया को डर है कि यदि इरान ने प्रतिशोध में पूरे खाड़ी क्षेत्र के तेल कुओं को तबाह कर दिया, तो वैश्विक अर्थव्यवस्था का पहिया धम धम इरान में घूमने से रुकने का पहिया धम धम उतारें। भारत जैसे देश, जो अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए खाड़ी पर निर्भर हैं, वे तटस्थ रहे। भले ही रूस, चीन और उत्तर कोरिया प्रत्यक्ष रूप से युद्ध में नहीं उतरे, किंतु उनकी भूमिका निष्क्रिय भी नहीं थी। वे अमेरिका और इजराइल को युद्ध रोकने की चेतावनी

विचित्र है कि इरान के खिलाफ युद्ध में अमेरिका और इजराइल साझा मोर्चे के तहत हमले कर रहे थे, लेकिन जब दोनों पक्षों के बीच युद्धविराम पर सहमति बनी, तो उसे ठोस आकार देने के बजाय इजराइल ने समझौते को तोड़ने की पृष्ठभूमि बनानी शुरू कर दी। जबकि इस बीच इजराइल और अमेरिका की ओर से जिस तरह की बेलागाम बयानबाजियाँ जारी रहीं, उससे पहले ही हालात और बिगड़ने की आशंका बनी हुई थी। विडंबना यह भी है कि लेबनान पर इजराइल के हमले के बाद अब इरान ने फिर से हेमोजुंज जलमार्ग को बंद करने की घोषणा की है।

निश्चित रूप से इरान के इस रुख को उसकी प्रतिक्रिया कहा जा सकता है, लेकिन सवाल है कि इस समूचे परिदृश्य

में किसी भी पक्ष की जिद और अकड़ नतीजा क्या निकल रहा है! इजराइल और अमेरिका ने जिस दिन इरान पर साझा हमला किया था, तभी से यह आशंका बनी हुई थी कि इसका असर केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहेगा। इसके बाद इरान ने स्वाभाविक ही रणनीति के तहत हेमोजुंज जलमार्ग को बाधित कर दिया और उसके बाद दुनिया के ज्यादातर देशों में प्राकृतिक तेल और गैस की आपूर्ति रुक गई। जिन देशों के पास इसके विकल्प थे, वहाँ के हालात अपेक्षया नियंत्रण में रहे, लेकिन भारत सहित बहुत सारे ऐसे देश हैं, जहाँ पेट्रोल-डीजल से लेकर रसाईं गैस का संकट पैदा हो गया और आम लोगों का जीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। ऐसे में युद्धविराम की घोषणा के बाद यह उम्मीद जगी थी कि अब हेमोजुंज जलमार्ग के खुलने से जहाँ जहाँ की आवाजाही का रास्ता खुलेगा और स्थिति सुधरेगी। मगर लेबनान पर इजराइल के ताजा हमले में जिस तरह बड़े पैमाने पर आम लोगों की मौत की खबर आई है और उसके बाद इरान ने जैसी प्रतिक्रिया दी है, उससे एक बार फिर शांति की उम्मीदों पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं।

सवाल है कि अगर युद्धविराम की

शर्तों में लेबनान पर भी इजराइली हमले रोकना शामिल था, तो इस पर अमल के बजाय इसे ताक पर रख कर नागरिक ठिकानों को निशाना बनाने के पीछे कौन-सी मंशा काम कर रही है। यही नहीं, इजराइल के प्रधानमंत्री नेतृत्वाहू ने यह भी कहा कि अगर जरूरत पड़े तो इजराइल फिर से इरान के खिलाफ लड़ाई शुरू करेगा। खुद अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जिस भड़काऊ लहजे में बात कर रहे हैं, उसे कैसे देखा जाएगा?

हैरानी की बात है कि ट्रंप युद्धविराम और उसकी शर्तों पर सहमति जताने के बाद लेबनान पर हमले के मसले को समझौते से अलग बताते हैं। क्या इसे शांति के लिए हुई पहलकदमी को कमजोर करने की तरह नहीं देखा जाएगा? दूसरी ओर, इरान ने कहा कि युद्धविराम और इजराइल के जरिए जंग, दोनों साथ नहीं चल सकते। ऐसे में यह अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है कि युद्धविराम कितने दिनों तक बना रहेगा।

यह ध्यान रखने की जरूरत है कि पश्चिम एशिया के इस युद्ध का खमियाजा दुनिया के ज्यादातर देश उठा रहे हैं और अगर स्थायी युद्धविराम का रास्ता नहीं निकाला गया, तो इसके विपरीत असर को संभालना मुश्किल हो जाएगा।

## विश्व बैंक-आईएमएफ की चेतावनी: पश्चिम एशिया युद्ध से खाद्य कीमतों और सुरक्षा पर बड़ा खतरा

इरान और अमेरिका-इजराइल के बीच युद्ध के नतीजे दिखने लगे हैं। ऊर्जा संकट गहराने के साथ पूरी दुनिया अब इसके व्यापक परिणामों से निपटने की तैयारी कर रही है। हेमोजुंज जलमार्ग से इंधन आपूर्ति की जो श्रृंखला टूटी है, वह कब नियमित होगी, कुछ कहा नहीं जा सकता। मगर इससे कई देशों के सामने चौरफा संकट जरूर पैदा हो गया है।

वैश्विक स्तर पर इंधन और परिवहन की लागत बढ़ने लगी है। मुश्किल भरे इस दौर में विश्व बैंक, मुद्रा कोष और विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) ने सचेत किया है कि पश्चिम एशिया के वैश्विक ऊर्जा बाजारों में युद्ध ने जो व्यवधान पैदा किया है, उससे खाद्य कीमतों और खाद्य सुरक्षा पर व्यापक असर पड़ेगा। अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के बयान गंभीर

इन तीनों संस्थाओं के इस बयान को गंभीरता से लेने की जरूरत है कि बढ़ती

खाद्य कीमतों का सबसे अधिक बोझ दुनिया की कमजोर आबादी पर पड़ेगा। हालाँकि इन संगठनों का कहना है कि वे संभावित स्थितियों पर निगाह रखेंगे और संकट से प्रभावित लोगों की मदद के लिए उपलब्ध संसाधनों का समन्वय करेंगे। मगर सवाल है कि इस विकट दौर में करोड़ों लोगों तक कैसे और किस हद तक मदद पहुंचेगी?

युद्ध के असर के मद्देनजर अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं ने जिस तरह आगाह किया है, इससे समझा जा सकता है कि पूरी दुनिया पर खाद्य संकट मंडरा रहा है। युद्ध के दौरान हेमोजुंज जलमार्ग बंद होने से उर्वरकों की आपूर्ति में जो बाधा आई है, इसका प्रभाव स्वाभाविक रूप से भारत सहित दुनिया के कई देशों पर पड़ेगा।

नतीजा यह होगा कि कम और महंगा यूरिया मिलने से खेती की लागत बढ़ेगी। दूसरी ओर, आने वाले समय में पेट्रोल-डीजल के दाम तेजी से बढ़ेंगे, तो माल की ढुलाई भी महंगी होगी। ऐसे में महंगाई

को संभालना बेहद चुनौतीपूर्ण होगा। चिंता की बात यह है कि युद्ध से वैश्विक अर्थव्यवस्था का जो नुकसान हुआ है, अभी उसी का पूरी तरह आकलन नहीं हो पाया है।

इस स्थिति में खाद्य कीमतों में संभावित वृद्धि की चेतावनी उराने वाली है। अमेरिका और इरान में दो सप्ताह के युद्ध विराम के बीच आयात निर्भर देशों के लिए यह सोचने का समय है कि इंधन और खाद्य की कीमतों को वे कैसे नियंत्रित करेंगे।

इस्वीसर्वी सदी के तीसरे दशक में वैश्विक राजनीति एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहाँ 'शक्ति ही सत्य है' की अवधारणा पुनर्जीवित हो गई है। दुनिया का सबसे धनी देश और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं का सबसे बड़ा वित्तपोषक होने के नाते अमेरिका ने स्वयं को एक ऐसे 'वैश्विक दारोगा' के रूप में स्थापित कर लिया है, जिसे रोकने का साहस वर्तमान में किसी भी अंतरराष्ट्रीय इकाई के पास नहीं दिखता।



## 2011 वर्ल्ड कप में धोनी की कप्तानी और फिनिशिंग प्रेरित करती है : मुकुल चौधरी

लखनऊ सुपर जायंट्स के बल्लेबाज मुकुल चौधरी ने कहा कि वे खुद को एमएस धोनी जैसा फिनिशर बनाना चाहते हैं। जियोहॉटस्टार से बातचीत में उन्होंने बताया कि धोनी का हेलिकॉप्टर शॉट उनका पसंदीदा है। 2011 वर्ल्ड कप में धोनी की कप्तानी और फिनिशिंग उन्हें प्रेरित करती है।

**'पिता खुद क्रिकेटर बनना चाहते थे'**

मुकुल के पिता खुद क्रिकेट खेलना चाहते थे, लेकिन हालात ऐसे नहीं थे कि वे पेशेवर खिलाड़ी बन पाते। इसलिए उन्होंने शादी से पहले तय कर लिया था कि उनका बेटा क्रिकेट खेलेगा। मुकुल ने बताया कि बचपन में परिवार की हालात कमजोर थीं और उन्हें क्रिकेट एकेडमी में दाखिला दिलाना आसान नहीं था। उस समय उनके पिता कॉलेज में पढ़ते थे और राजस्थान एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस की तैयारी कर रहे थे। ऐसे में मुकुल के पिता को पैसला लेना पड़ा- आरएएस की तैयारी जारी रखें या बेटे



को क्रिकेट में आगे बढ़ाएं। उन्होंने तैयारी छोड़ दी, प्रॉपर्टी का काम शुरू किया और पैसे जुटाकर मुकुल को 12 साल की उम्र में सीकर की एसबीएस क्रिकेट एकेडमी में दाखिला

दिलाया। जन्मदिन के दिन क्रिकेट की शुरुआत की एकडेमी तक पहुंचना आसान नहीं था। 2015 में मुकुल जन्मदिन पर

अपने पिता के साथ चूल्, झुंझुनूँ और सीकर में एकेडमी तलाशने निकले थे।

इसी दौरान उन्हें सीकर में नई स्लॉट क्रिकेट एकेडमी मिली और वहीं से उनका सफर शुरू हुआ। इससे पहले टाइम्स ऑफ इंडिया से बातचीत में मुकुल के पिता ने बताया था कि बेटे के लिए उन्होंने घर बेच दिया और कर्ज लिया।

**अंडर-23 से चमके, सबसे ज्यादा रन बनाए**

मुकुल के परिवार में कोई क्रिकेट बैकग्राउंड नहीं था, इसलिए उन्हें शुरुआत में खेल की ज्यादा जानकारी नहीं थी। लेकिन मेहनत और पिता के समर्थन ने उन्हें आगे बढ़ाया। अंडर-23 लिस्ट-ए टूर्नामेंट 2025-26 में मुकुल चौधरी सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। उन्होंने 617 रन बनाए, जिसमें दो शतक और चार अर्धशतक शामिल थे। इसी प्रदर्शन के दम पर उन्हें आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स ने 2.60 करोड़ रुपये में खरीदा।

## बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप: आयुष शेड्डी ने सेमीफाइनल में जगह बनाकर पदक सुनिश्चित किया

निंगबो। भारतीय शटलर आयुष शेड्डी ने शुक्रवार को यहां निंगबो ओलंपिक स्पोर्ट्स सेंटर में इंडोनेशिया के दुनिया के नंबर 4 जोनाथन क्रिस्टी को हराकर बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में बड़ा उलटफेर करते हुए सेमीफाइनल में जगह बना ली। इस जीत के साथ आयुष ने अपना पदक सुनिश्चित कर लिया। आयुष ने जोनाथन क्रिस्टी पर 23-21, 21-17 से जीत दर्ज की और 2018 में एचएस प्रणय के बाद कॉर्टनेटेल मीट में पदक पक्का करने वाले पहले भारतीय पुरुष एकल बैडमिंटन खिलाड़ी बन गए। क्रिस्टी पर आयुष की यह पहली जीत थी। शुरुआती गेम में कड़ा मुकाबला हुआ, क्योंकि कोई भी खिलाड़ी क्रिस्टी को ब्रेक तक 11-10 की मामूली बढ़त के साथ नहीं तोड़ पाया। दोबारा शुरू होने पर, इंडोनेशियाई खिलाड़ी ने गेम पर नियंत्रण किया और अपनी बढ़त को 18-15 तक बढ़ा लिया, साथ ही एक



गेम पॉइंट भी हासिल किया। आयुष ने वापसी करते हुए मुकाबले को टाई-ब्रेक में पहुंचा दिया। दूसरे गेम में भी उतना ही कड़ा

मुकाबला देखने को मिला। भारतीय खिलाड़ी मध्य तक 11-9 की मामूली बढ़त के साथ था। इसके बाद आयुष ने मैच पर अपनी पकड़ और मजबूत

करते हुए जीत दर्ज की और सेमीफाइनल में अपनी जगह बना ली।

यह 2023 में चिराग शेड्डी और साल्विकसाईराज रंकीरेड्डी के पुरुष डबल्स स्वर्ण के बाद बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में भारत का पहला पदक भी होगा।

सेमीफाइनल में, आयुष का मुकाबला पेरिस ओलंपिक 2024 के रजत पदक विजेता थर्डलैंड के कुनलवतु विटिडिसान और वेंग होंगयांग के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। इससे पहले टूर्नामेंट में, आयुष ने पहले राउंड में दुनिया के नंबर 7 और मौजूदा एशियन गेम्स चैंपियन ली शि फेंग को हराया था, फिर चीनी ताइपे के ची यू जेन को हराकर क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया था।

दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु का कैप्टन दूसरे राउंड में खत्म हो गया, जबकि लक्ष्य सेन पहले राउंड में ही बाहर हो गए थे।

## हार के बाद पॉवेल ने दिवेश के कैच पर उठाए सवाल

बोले- तीसरे अंपायर के पास जाना चाहिए था फैसला

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के कप्तान ऋषभ पंत की आलोचना करते हुए कहा कि इस विकेटकीपर-बल्लेबाज को अपनी खेल की समझ में सुधार करना होगा और लगातार अच्छे परिणाम के लिए अधिक जिम्मेदारी लेनी होगी। एलएसजी ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ आईपीएल मैच में तीन विकेट से रोमांचक जीत दर्ज की थी। पंत इस मैच में केवल 10 रन बना पाए थे और उनके शीर्ष क्रम के अन्य बल्लेबाज भी नहीं चल पाए थे। मुकुल चौधरी ने नाबाद 54 रन की मदद से एलएसजी ने यह मैच जीता था।



कैफ ने की पंत की आलोचना पंत के प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव रहा है और कैफ ने इसी संदर्भ

में उनकी आलोचना की। कैफ ने स्टार स्पॉट्स पर कहा, 'टीम को जरूरत थी कि वह अंत तक क्रीज पर

टिके रहें। वह अनुभवी खिलाड़ी हैं, जो 2016 से आईपीएल में खेल रहे हैं। जब वह बल्लेबाजी करने आए तो स्थिति मुश्किल नहीं थी। एलएसजी ने पहले पांच ओवरों में ही 41 रन बना लिए थे। किसी एक बल्लेबाज को जिम्मेदारी लेनी थी और अंत तक बल्लेबाजी करनी थी। यह भूमिका पंत को निभानी चाहिए थी।

उन्होंने कहा, 'कप्तान होने के नाते अगर आप जिम्मेदारी नहीं लेते हैं, तो आप अपनी टीम को मैच जिताने में मदद नहीं कर सकते। उन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अच्छे प्रदर्शन किया था लेकिन उन्हें निरंतरता बनाए रखने की जरूरत है। उन्हें मैच की स्थिति को बेहतर ढंग से समझना होगा और यह सीखना होगा कि कब अपनी रणनीति बदलनी है।'

कैफ ने कहा, 'एक कप्तान का काम होता है कि वह लक्ष्य का पीछा करते हुए अंत तक टिका रहे और पंत को इसी पर काम करना होगा।'

## चेस कैंडिडेट्स टूर्नामेंट- वैशाली ड्रॉ के साथ टॉप पर पहुंचीं, दिव्या देशमुख और प्रज्ञानानंदा हारे

नई दिल्ली। भारतीय ग्रैंडमास्टर वैशाली रमेशबाबू ने फाइनल चेस कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के विमेंस कैटेगरी के 10वें राउंड में यूक्रेन की अन्ना मुजिचुक के खिलाफ ड्रॉ खेला। इस ड्रॉ से मिले आधे पॉइंट्स के साथ वैशाली टॉप पर पहुंच गईं। दूसरी ओर, भारतीय ग्रैंडमास्टर दिव्या देशमुख को रूस की अलेक्जेंड्रा गोर्वाचकिना के खिलाफ हार झेलनी पड़ी।

ओपन कैटेगरी में भारत के ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा को उज्बेक के जालोखिर सिंदारोव के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। प्रज्ञानानंदा इस हार के बाद 7वें नंबर पर खिसक गए। टूर्नामेंट साइप्रस के पाफोस में खेला जा रहा है। अभी चार राउंड बाकी हैं।



10वें राउंड में वैशाली को खास परेशानी नहीं हुई और खेल बिना उतार-चढ़ाव के ड्रॉ रहा। ड्रॉ जिनर को बिबिसारा असाउबायेवा के खिलाफ

हार का सामना करना पड़ा, जिससे वैशाली को बढ़त मिली।

टूर्नामेंट बेहद रोमांचक बना हुआ है। टॉप-6 खिलाड़ियों के बीच 1 पॉइंट का अंतर है। ड्रॉ जिनर और अन्ना मुजिचुक 5.5 अंकों के साथ वैशाली से आधा अंक पीछे हैं। 11वें राउंड में वैशाली का मुकाबला गोरियाचकिना से होगा, जबकि दिव्या ड्रॉ जिनर के खिलाफ खेलेंगी।

गुरुकेश ने जीता था पिछला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट पिछली बार भारत के डी गुरुकेश ने इसे जीतकर चीन के डिंग लिरेन को

चुनौती दी थी। तब गुरुकेश कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतने वाले भारत के दूसरे खिलाड़ी बने थे। 5 बार के वर्ल्ड चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने 1995 में पहली बार कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीता था।

कैंडिडेट्स टूर्नामेंट क्या है और क्यों अहम कैंडिडेट्स टूर्नामेंट शतरंज की दुनिया का सबसे अहम इवेंट माना जाता है, क्योंकि यही तय करता है कि वर्ल्ड चैंपियन को अगला चैलेंजर कौन होगा। इसे वर्ल्ड चैंपियनशिप का सेमीफाइनल भी कहा जाता है। विजेता को सीधे वर्ल्ड चैंपियन से खेलने का मौका मिलता है। यह शतरंज का सबसे बड़ा क्वालिफाइंग टूर्नामेंट है।

## व्यापार

## वॉट्सएप आपके प्राइवेट मैसेज पढ़ रहा ये भरोसे लायक नहीं : एलन मस्क

नई दिल्ली। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म वॉट्सएप के मालिक इलॉन मस्क और टेलीग्राम के सीईओ पावेल डुरोव ने वॉट्सएप की प्राइवेट पर सवाल उठाए हैं। मस्क ने कहा कि वॉट्सएप पर भरोसा नहीं किया जा सकता। वहीं, डुरोव ने इसे झूठा दावा बताया।

यह विवाद अमेरिका में वॉट्सएप के खिलाफ दायर एक नए क्लास एक्शन मुकदमे के बाद शुरू हुआ है। यह मुकदमा इसी साल जनवरी में ब्रियन वार्ड, शीराजी और निदा सैमसन नाम के दो यूजर्स ने कैलिफोर्निया के फेडरल कोर्ट में दायर किया गया था।

इसमें मेटा प्लेटफॉर्मस और एक्सप्रेस को पक्षकार बनाया गया है। याचिकाकर्ताओं ने ज्यूरी ट्रायल की मांग की है और कंपनी से हजाने की



अपील की है। याचिका में दावा किया गया है कि वॉट्सएप अपने यूजर्स के मैसेज को बीच में ही इंटरसेप्ट करता है। इसमें

कहा गया है कि मेटा इन मैसेज को एक्सप्रेस जैसी तीसरी पार्टियों के साथ शेयर कर रहा है। जबकि कंपनी दावा करती है कि उसके मैसेज

'एंड-टू-एंड एन्क्रिप्टेड' हैं यानी भेजने वाले और पाने वाले के अलावा कोई तीसरा इन्हें नहीं पढ़ सकता।

इलॉन मस्क ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ड्रॉ पर पोस्ट करते हुए ड्रॉ चैट का इस्तेमाल करने की अपील की और दावा किया कि वहां 'असली प्राइवेट' मिलती है।

वहीं, पावेल डुरोव ने कहा कि वॉट्सएप अरबों यूजर्स को गुमराह कर रहा है। टेलीग्राम ने कभी ऐसा नहीं किया और न ही कभी करेगा।

इन गंभीर आरोपों पर मेटा के प्रवक्ता ने कहा कि मुकदमे में किए गए दावे पूरी तरह से झूठे और बेतुके हैं। वॉट्सएप पिछले एक दशक से सिग्नल प्रोटोकॉल का इस्तेमाल कर रहा है। आपके मैसेज भेजने वाले और पाने वाले के अलावा कोई और नहीं पढ़ सकता।

## गलत ट्रॉजैक्शन कैसिल करने का मौका मिलेगा

नई दिल्ली। जल्द ही ऐसा हो सकता है कि आपका 10 हजार से ज्यादा का ऑनलाइन ट्रॉजैक्शन तुरंत न हो। उसमें 1 घंटे की देरी हो सकती है। इससे ग्राहकों को गलत ट्रॉजैक्शन रोकने या कैसिल करने का मौका मिलेगा। देश में बढ़ते डिजिटल फ्रॉड को रोकने के लिए आरबीआई ने ये प्रस्ताव रखा है।

आरबीआई का मानना है कि जालसाज अक्सर मनोवैज्ञानिक दबाव बनाकर जल्दबाजी में पैसे ट्रॉजैक्शन करवाते हैं, यह देरी उस दबाव को खत्म करेगी। फिलहाल ज्यादातर डिजिटल ट्रॉजैक्शन तुरंत होते हैं, जिससे यूजर को सोचने या गलती सुधारने का मौका नहीं मिलता।



सोनियर सिटीजंस के लिए 'ट्रस्टेड पर्सन' सुविधा 70 साल से ज्यादा उम्र के बुजुर्गों और दिव्यांगों के लिए सुरक्षा और सख्त होगी। 50,000 रुपये से ज्यादा

के ट्रॉजैक्शन के लिए एक 'ट्रस्टेड पर्सन' (भरोसेमंद व्यक्ति) की मंजूरी जरूरी हो सकती है। यह फ्रॉड के खिलाफ सुरक्षा की एक दूसरी लेयर की तरह काम करेगा।

## भरोसेमंद को 'व्हाइटलिस्ट' में शामिल कर सकेंगे

अगर आप किसी ऐसे व्यक्ति या मंच को पैसे भेज रहे हैं, जिसे आप जानते हैं, तो आप उसे अपनी 'व्हाइटलिस्ट' में शामिल कर सकते हैं। व्हाइटलिस्ट लोगों को पेमेंट करने पर यह 1 घंटे की देरी लागू नहीं होगी, जिससे नियमित लेन-देन में परेशानी नहीं आएगी।

## डिजिटल पेमेंट बंद करने के लिए 'कैल स्वच'

आरबीआई ने एक 'किल स्वच' का सुझाव भी दिया है। अगर किसी ग्राहक को लगता है कि उसका अकाउंट हैक हो गया है या कोई गलत ट्रॉजैक्शन हो रहा है, तो वह एक क्लिक से अपनी सभी डिजिटल पेमेंट सेवाओं को तुरंत बंद कर सकेगा।

## मार्च में इक्विटी म्यूचुअल फंड निवेश आठ महीनों के उच्चतम स्तर पर, एसआईपी ने बनाया रिकॉर्ड

नई दिल्ली। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के आंकड़ों के अनुसार, मार्च में इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में शुद्ध निवेश बढ़कर 40,450.26 करोड़ रुपये हो गया। यह जुलाई 2025 के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। फरवरी में यह आंकड़ा 25,977.81 करोड़ रुपये था।

सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए निवेश ने नया रिकॉर्ड बनाया है। मार्च में एसआईपी का योगदान 32,087 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। यह फरवरी के 29,845 करोड़ रुपये से अधिक है, जो खुदरा

निवेशकों की लगातार भागीदारी दर्शाता है। हालांकि, पूरे म्यूचुअल फंड उद्योग से मार्च में 2.39 लाख करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी हुई। फरवरी में इसमें 94,530 करोड़ रुपये का निवेश आया था।

इस निकासी का मुख्य कारण डेट फंड्स से भारी मात्रा में पैसे का निकलना रहा। मार्केट एक्सपर्ट्स के अनुसार, निवेश में यह वृद्धि एसआईपी के जरिए लगातार निवेश से हुई है। साल के अंत में पोर्टफोलियो समायोजन भी एक वजह है। बाजार की गिरावट को खरीदारी के अवसर के रूप में देखा गया। पश्चिम एशिया में तनाव से आई अस्थिरता ने दीर्घकालिक निवेशकों को अच्छे प्रवेश बिंदु दिए।

## इक्विटी में विभिन्न श्रेणियों का प्रदर्शन

इक्विटी श्रेणी के सभी खंडों में निवेश में वृद्धि दर्ज की गई। फ्लेक्स-कैप फंड्स सबसे आगे रहे, जिनमें मार्च में 10,054.12 करोड़ रुपये का निवेश आया। मिड-कैप में 6,063.53 करोड़ रुपये और स्मॉल-कैप में 6,263.56 करोड़ रुपये का निवेश हुआ। लार्ज-कैप फंड्स में 2,997.84 करोड़ रुपये का निवेश हुआ। सेक्टरल और थीमैटिक फंड्स में 2,698.82 करोड़ रुपये का स्थिर निवेश देखा गया।

डेट और अन्य फंड्स से निकासी इसके विपरीत, डेट म्यूचुअल फंड्स में मार्च में 2.94 लाख करोड़ रुपये की भारी निकासी की गई। फरवरी में इनमें 42,106.31 करोड़ रुपये का निवेश आया था। ओवरनाइट और लिक्विड फंड्स इस निकासी के मुख्य कारण रहे। हाइब्रिड स्कीम्स से 16,538.47 करोड़ रुपये और आर्बिडिज फंड्स से 21,113.70 करोड़ रुपये की निकासी दर्ज की गई। ग्लोबल एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स में निवेश घटकर 2,266 करोड़ रुपये रह गया। नए फंड ऑफर के जरिए मार्च में चौबीस लॉन्च से 3,985 करोड़ रुपये जुटाए गए।

## सेंसेक्स 919 अंक चढ़कर 77,550 पर बंद निफ्टी 275 अंक चढ़कर 24,050 पर पहुंचा

नई दिल्ली। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन आज यानी शुक्रवार 10 अप्रैल को संसेक्स 919 अंक (1.20%) की तेजी के साथ 77,550 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 275 अंकों (1.16%) की तेजी रही, ये 24,050 पर पहुंच गया। आज के कारोबार में बैंकिंग और ऑटो शेयरों में खरीदारी रही।

बाजार में तेजी की वजह 1-2 दिन में अमेरिका और इरान के बीच होने वाली शांति वार्ता से निवेशकों में उत्साह है। इजरायल के लेबनान के साथ बातचीत के लिए सहमत होने से भी तनाव में कमी आने की उम्मीद जगी है। जब भी युद्ध की आशंका कम होती है तो बाजार में



पॉजिटिव सेटिमेंट लौट आते हैं। शॉर्ट टर्म में 24,600 के स्तर तक बढ़ सकता है निफ्टी मार्केट एक्सपर्ट्स के मुताबिक

निफ्टी के लिए 24,200-24,250 का स्तर एक तात्कालिक रेजिस्टेंस है। अगर निफ्टी इस स्तर के ऊपर टिकने में कामयाब रहता है, तो यह तेजी

24,400 तक और उसके बाद शॉर्ट टर्म में 24,600 के स्तर तक बढ़ सकता है। वहीं दूसरी ओर, गिरावट की स्थिति में 23,850-23,800 का जोन एक तात्कालिक सपोर्ट के रूप में काम कर सकता है।

संसेक्स 931 अंक गिरकर 76,632 पर बंद हुआ था शेयर बाजार में कल 9 अप्रैल को गिरावट रही। संसेक्स 931 अंक (1.20%) नीचे 76,632 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी भी 222 अंक (0.93%) गिरकर 23,775 पर आ गया। ऑटो और बैंकिंग शेयरों में बिकवाली रही। मेटल और फार्मा शेयरों में तेजी रही।

.....

# हमारी सरकार कृषि का सुदृढ़ इकोसिस्टम विकसित करने के लिए कृतसंकल्पित : भजनलाल शर्मा

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

**जयपुर।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि अनन्तता किसान मजबूत होगा तो देश-प्रदेश आगे बढ़ेगा। हमारी सरकार राज्य के किसानों की आय बढ़ाने के लिए कृषि का सुदृढ़ इकोसिस्टम विकसित करने के लिए कृतसंकल्पित है। इसी क्रम में जयपुर में 23 से 25 मई तक आयोजित होने वाले ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (ग्राम 2026) में प्रदेशभर के किसानों को खेती के नवीनतम आधुनिक तरीकों की जानकारी मिलेगी। साथ ही, उन्हें वैश्विक स्तर आधारित कृषि प्रणालियों को समझने और अपनाने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि ग्राम के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए 15 अप्रैल से ग्राम पंचायत स्तर पर किसान कल्याण से जुड़ी योजनाओं को लेकर रथ भेजे जाएंगे, जिससे किसान लाभान्वित हो सकें। इसमें सुझाव पेटिका भी रखी जाएगी, जिससे किसान योजनाओं से जुड़े अपने सुझाव भी दे सकें। शर्मा शुक्रवार को राज्य ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक (ग्राम 2026) मीट के कर्टेन रेजर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ग्राम-2026 एक ऐसा मंच होगा जहां किसान, वैज्ञानिक, निवेशक और नीति निर्माता मिलकर किसानों के सशक्तिकरण के लिए संवाद करेंगे। इस मीट के माध्यम से कृषि और उससे जुड़े सेक्टर पर एकेडमिक-संस्थागत एवं विशेषज्ञों के अनुभव



का लाभ प्रदेश के किसानों को मिल पाएगा। उन्होंने कहा कि हाल ही में केन्द्र सरकार द्वारा जयपुर में पश्चिमी क्षेत्रीय जौनल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया था, जिसके माध्यम से कृषि उत्पादन, जल प्रबंधन, फसल सुरक्षा और प्राकृतिक खेती जैसे विषयों पर गहन चर्चा की गई थी।

## वैज्ञानिक तरीके से खेती करें किसान, रासायनिक उर्वरकों का हो सीमित उपयोग

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा राज्य बाजार, सरसों, तिलहन, जौ तथा चार में प्रथम, मूंग तथा मूंगफली के उत्पादन में द्वितीय तथा सोयाबीन के उत्पादन में तृतीय स्थान पर है। उन्होंने कहा कि किसानों को वैज्ञानिक तरीके से खेती करते हुए रासायनिक उर्वरकों

का सीमित उपयोग करना चाहिए तथा मुदा परीक्षण के आधार पर खेती अपनानी चाहिए, ताकि भूमि की उर्वरता भविष्य के लिए सुरक्षित रह सके। साथ ही, उन्होंने जल संरक्षण के लिए पशुधारा (स्प्रिंकलर) जैसी आधुनिक सिंचाई तकनीकों को अपनाने पर भी जोर दिया।

## मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा से 12 लाख से अधिक पशुओं का निःशुल्क बीमा

शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार किसानों के सशक्तिकरण के लिए निरन्तर निर्णय ले रही है। अब तक राज्यभर में 4 लाख 80 हजार हेक्टेयर क्षेत्रफल में सूक्ष्म सिंचाई संयंत्र स्थापित करवाए जा चुके हैं। साथ ही, नहरी जल के संग्रहण के

लिए कुल 12 हजार 476 डिगियों का निर्माण तथा कुल 32 हजार 918 किलोमीटर सिंचाई पाइप लाइन लगाई जा चुकी है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार द्वारा मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के माध्यम से 12 लाख से अधिक पशुओं की निःशुल्क बीमा पॉलिसी जारी की गई है। 1962 मोबाइल वेटरिनरी सेवाएं तथा 536 मोबाइल वाहनों द्वारा करीब 60 लाख पशुओं का उपचार कर 15 लाख से अधिक पशुपालकों को लाभान्वित किया गया है। साथ ही, मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक संघल योजना के तहत हमारी सरकार द्वारा दुग्ध उत्पादकों के आर्थिक स्तर में वृद्धि करने के उद्देश्य से 5 रुपये प्रति लीटर प्रत्यक्ष आर्थिक प्रोत्साहन दिया जा रहा है।

राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट

समिट का आयोजन किया, जिसके तहत राज्य के कृषि क्षेत्र में निवेश के लिए लगभग 43 हजार करोड़ रुपये से अधिक के 2 हजार 539 एमओयू हुए। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा संचालित प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत किसानों को 6000 रुपये की राशि दी जा रही है। इस सम्मान निधि के साथ ही, हमारी सरकार द्वारा मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना लागू की गई है। जिसके तहत किसानों को 3000 रुपये अतिरिक्त राशि प्रदान की जा रही है। जिसे आगामी समय में 12 हजार तक किया जाएगा।

इस दौरान कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि हमारी सरकार की प्राथमिकता है कि किसान पारम्परिक खेती से हटकर आधुनिक

खेती की ओर आगे बढ़े तथा खेती में नई-नई तकनीकों का उपयोग कर समृद्ध एवं खुशहाल बने। ग्राम 2026 के माध्यम से किसानों को विश्वभर से आए कृषि विशेषज्ञों से नवीनतम तकनीकों की जानकारी मिलेगी। साथ ही वे वैश्विक मंच से भी जुड़ पाएंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की अगुवाई में हमारी सरकार किसानों को आगे बढ़ाने एवं उनके सम्मान के लिए निरन्तर कार्य कर रही है।

इस दौरान शर्मा ग्राम के लोगों का अनावरण एवं बोशर का विमोचन किया। इस अवसर पर पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत, सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक, मुख्य सचिव श्री. श्रीनिवास सहित विभिन्न अधिकारियों एवं बड़ी संख्या में किसान मौजूद थे।



## 12 साल पुराने मामले में कांग्रेस के 2 विधायकों सहित 9 लोगों को किया बरी

निचली अदालत ने सुनाई थी 1-1 साल की जेल

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

**जयपुर।** जयपुर महानगर प्रथम की एडिजे-9 कोर्ट ने 12 साल पुराने मामले में कांग्रेस के 2 विधायकों सहित 9 लोगों को बरी कर दिया। दोनों विधायकों सहित इन लोगों पर सार्वजनिक रास्ता जाम करने के आरोप थे।

जज प्रेमरतन ओझा ने गुरुवार को कांग्रेस विधायक मुकेश भाकर, मनीष यादव, झोटवाड़ा विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी रहे अभिषेक चौधरी सहित 9 लोगों को राहत दी और निचली अदालत के फैसले को रद्द कर दिया। एसीजेएम-19 कोर्ट ने करीब 10 महीने पहले सभी आरोपियों को 1-1 साल की सजा सुनाई थी। सभी पर आरोप था कि इन्होंने 13 अगस्त 2014 को करीब 20 मिनट के लिए राजस्थान यूनिवर्सिटी के मुख्य गेट के बाहर जेएलएम मार्ग को जाम कर दिया था।

आरोपियों की ओर से पैरवी करते हुए एडवोकेट जितेंद्र भाकर ने कोर्ट को बताया- निचली अदालत ने बिना ठोस आधार के सजा सुनाई है। ट्रायल के दौरान मामले के जांच अधिकारी (आईओ) के बयान भी दर्ज नहीं हुए। कोर्ट ने केवल तीन पुलिसकर्मियों के बयानों के आधार पर सजा सुना दी। ऐसे में निचली अदालत के आदेश को विधि अनुरूप नहीं कहा जा सकता है। कोर्ट ने मामले में लाडनू विधायक मुकेश भाकर, शाहपुर विधायक मनीष यादव, झोटवाड़ा विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी रहे अभिषेक चौधरी सहित 9 लोगों को दोष मुक्त कर दिया है। पुलिस ने सभी के खिलाफ 11 अगस्त 2016 को चालान पेश किया था। ट्रायल के बाद कोर्ट ने तत्कालीन छत्रनेता मुकेश भाकर, मनीष यादव, अभिषेक चौधरी, राजेश मीणा, रवि किराड़, वसीम खान, दीप यादव, भानुप्रताप सिंह और विद्याधर मील को दोषी मानते हुए सजा सुनाई थी, लेकिन अब सभी को बरी कर दिया गया।

## गहलौत का केन्द्र सरकार पर हमला पचपदरा रिफाइनरी में देरी से विकास और रोजगार प्रभावित - अशोक गहलौत

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

**जयपुर।** राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलौत ने पचपदरा रिफाइनरी प्रोजेक्ट को लेकर वर्तमान सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने इस परियोजना को संभालने के तरीके की आलोचना करते हुए कहा कि इसमें लगातार देरी की गई है, जिससे इसकी लागत कई गुना बढ़ गई है। गहलौत ने कहा कि इस परियोजना की शुरुआती लागत लगभग 37,229 करोड़ रुपए थी, जो अब बढ़कर करीब 80,000 करोड़ रुपए तक पहुंच गई है। यह बढ़तेरी खराब योजना और राजनीतिक कारणों से हुई देरी का नतीजा है। उन्होंने इसे विकास कार्यों में देरी का एक उदाहरण बताते हुए 'इंटरज शस्त्र' का मेगा चैप्टर कहा। पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने इस परियोजना में जानबूझकर देरी की है, जिससे राज्य की जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के समय इस परियोजना का लगभग 80 प्रतिशत काम पूरा कर लिया गया था, लेकिन बाद में इसमें रुकावटें आईं।



गहलौत का कहना है कि सरकार बदलने के बाद इस परियोजना में राजनीतिक कारणों से बाधाएं आईं और काम की गति धीमी पड़ गई। उन्होंने आरोप लगाया कि इस वजह से यह महत्वपूर्ण परियोजना प्रभावित हुई है और राज्य के विकास पर इसका असर पड़ा है। अशोक गहलौत ने कहा कि यह प्रोजेक्ट कई साल तक अटका रहा। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस को इसके लिए कई बार विरोध प्रदर्शन करने पड़े और दबाव बनाने के बाद ही भाजपा ने 2018 में इस पर दोबारा काम शुरू किया।

गहलौत ने अपनी सरकार के कार्यकाल का जिक्र करते हुए कहा कि जब कांग्रेस फिर से सत्ता में आई, तो

इस प्रोजेक्ट को प्राथमिकता दी गई। उनके अनुसार, कोविड-19 महामारी की चुनौतियों के बावजूद काम लगातार आगे बढ़ता रहा और उनकी सरकार के दौरान लगभग 80 प्रतिशत काम पूरा कर लिया गया।

उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रोजेक्ट में अक्सर से वंचित होना पड़ा। पूर्व मुख्यमंत्री ने पचपदरा रिफाइनरी को कांग्रेस सरकार की एक बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि जब यह परियोजना लगभग पूरी होने की स्थिति में है तो इसका आकार और प्रगति जनहित के प्रति उनकी सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। उनके अनुसार, यह एक ऐसा विकास मॉडल है जिसमें राजनीतिक हितों से ऊपर जनता के हित को प्राथमिकता दी गई। पचपदरा रिफाइनरी से इस क्षेत्र की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, हालांकि इस परियोजना को लेकर राजनीतिक बयानबाजी और बहस अब भी जारी है।



## भाजपा ने सपना दिखाया था कि हम विश्व गुरु बन जाएंगे, यह मौका बीजेपी ने खोया - अखिलेश यादव

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

**जयपुर।** समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि नतीशा कुमार को प्रधानमंत्री के रूप में देखना चाहता था। हम चाहते थे कि वे प्रधानमंत्री के तौर पर रिटायर्ड हों। इंडिया गठबंधन के बहुत सारे साथियों की यह कोशिश भी थी कि नतीशा कुमार देश के प्रधानमंत्री बनें। नतीशा कुमार के राज्यसभा सदस्य बनने पर भी अखिलेश यादव ने तंज कसा। उन्होंने कहा- अब मुझे लगता है कि वे राज्यसभा सदस्य के तौर पर भी रिटायर्ड हो जाएंगे। आप सोचिए भारतीय जनता पार्टी ने उन्हें कितना बड़ा धोखा दिया है। उनके लोगों के साथ कितना बड़ा धोखा किया गया है।

दरअसल, अखिलेश यादव शुक्रवार को निजी कार्यक्रम में हिस्सा लेने जयपुर आए। इस दौरान एयरपोर्ट के बाहर मीडिया से बातचीत में भाजपा के चुनावी प्रक्रिया में हस्तक्षेप और आर्टिटी सेल के जरिए वोट काटने जैसे गंभीर आरोप लगाते हुए चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर भी सवाल खड़े किए।

अखिलेश ने कहा भाजपा ने हमें सपना दिखाया था कि हम विश्व गुरु बन जाएंगे। यह मौका भारत सरकार और बीजेपी ने खोया है। अगर प्रधानमंत्री चाहते तो इजरायल दौरे के बाद वे ईरान में भी उतर जाते, जैसे पाकिस्तान में उतरे थे। इससे शायद दुनिया आज उन्हें विश्व गुरु के नाम पर और विश्व गुरु के तौर पर पहचानती। यादव ने कहा- अब पता लग रहा है कि पाकिस्तान के चाचा वह सब चीज कर रहे हैं, जो विश्व गुरु बनने के लिए उन्हें करनी चाहिए थी।

शंकराचार्य को हर जगह अपमानित कर रही भाजपा अखिलेश यादव ने कहा- शंकराचार्य को भारतीय जनता पार्टी के लोग हर जगह अपमानित कर रहे हैं। सरकार बीजेपी की है, इसलिए उन्हें सुरक्षा देने की जिम्मेदारी भी भारतीय जनता पार्टी की है। इस दौरान राजस्थान में समाजवादी पार्टी (सपा) के भविष्य को लेकर पूछे गए सवाल पर अखिलेश यादव ने कहा- हम पहले उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी को हराएंगे। इसके बाद हम राजस्थान में भी आएंगे।

## जर्जर विद्यालय भवनों की मरम्मत मानसून से पहले पूर्ण करें: राजेश यादव

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

**जयपुर।** अतिरिक्त मुख्य सचिव स्कूल शिक्षा राजेश यादव ने शुक्रवार को शिक्षा विभाग की विभिन्न योजनाओं, गतिविधियों व बिंदुओं की समीक्षा की। उन्होंने प्रदेश के मरम्मत योग्य जर्जर विद्यालय भवनों का मरम्मत कार्य मानसून से पूर्व पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही नवीन विद्यालय भवनों के निर्माण की



दिशा निर्देश दिए। उन्होंने राजस्थान राज्य पाठ्यपुस्तक मंडल, राजस्थान स्टेट ओपन स्कूल व मिड डे मील के साथ ही भाषा व पुस्तकालय विभाग के विभिन्न मामलों की भी समीक्षा की। बैठक में राज्य परियोजना निदेशक व आयुक्त डॉ. रश्मि शर्मा, संयुक्त सचिव महेंद्र कुमार खींची, अतिरिक्त राज्य परियोजना निदेशक द्वितीय अशोक कुमार मीणा सहित विभिन्न अधिकारी शामिल हुए।

राजस्थान राज्य पाठ्यपुस्तक मंडल, राजस्थान स्टेट ओपन स्कूल व मिड डे मील के साथ ही भाषा व पुस्तकालय विभाग के विभिन्न मामलों की भी समीक्षा की। बैठक में राज्य परियोजना निदेशक व आयुक्त डॉ. रश्मि शर्मा, संयुक्त सचिव महेंद्र कुमार खींची, अतिरिक्त राज्य परियोजना निदेशक द्वितीय अशोक कुमार मीणा सहित विभिन्न अधिकारी शामिल हुए।

## उत्तर पश्चिम रेलवे के राजीव श्रीवास्तव और अनिल कुमार जैन बने महाप्रबंधक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

**जयपुर।** रेल मंत्रालय द्वारा जारी नवीनतम आदेशों के अनुसार उत्तर पश्चिम रेलवे (एनडब्ल्यूआर) में कार्यरत तीन वरिष्ठ अधिकारियों को लेवल-16 में पदोन्नत कर महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। रेलवे बोर्ड द्वारा गुरुवार को जारी इन आदेशों से उत्तर पश्चिम रेलवे के प्रशासनिक हल्के में हर्ष का माहौल है। जानकारी के अनुसार, उत्तर पश्चिम रेलवे मुख्यालय में मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) के पद पर तैनात राजीव श्रीवास्तव को मध्य रेलवे (सूबे) का नया महाप्रबंधक (जीएम) नियुक्त किया गया है। वहीं, प्रमुख मुख्य बिजली इंजीनियर अनिल कुमार जैन को दक्षिण पूर्व रेलवे (कोलकाता) में महाप्रबंधक के पद पर पदोन्नति मिली है। इसी क्रम में उत्तर पश्चिम रेलवे की प्रमुख वित्त



सलाहकार गीतिका पाण्डेय को रेलवे बोर्ड, नई दिल्ली में अतिरिक्त सदस्य (योजना) के महत्वपूर्ण पद पर नियुक्त किया गया है। विशेष बात यह है कि गीतिका पाण्डेय इस पद पर लेवल-16 प्राप्त करने वाली एकमात्र महिला अधिकारी हैं। बता दें कि श्रीमती पाण्डेय इससे पूर्व उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल में मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) के पद पर भी अपनी सेवाएं दे चुकी हैं। इन नियुक्तियों को भारतीय रेलवे के प्रशासनिक ढांचे को और मजबूती प्रदान करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

## रामचरित मानस में रावण की अनगिनत थी पत्नि

रामचरितमानस और वाल्मीकि रामायण के अनुसार रावण को कई पत्नियां थीं, जिनमें मंदोदरी मुख्य रानी, धन्यमालिनी प्रमुख हैं। हालांकि, रामायण में रावण के पास एक हजार से अधिक अन्य छोटी पत्नियां (जूनियर पत्नियों) का उल्लेख मिलता है, जो राक्षस राज के हर्म का हिस्सा थीं। रावण की पत्नियों के बारे में बातें? मंदोदरी रावण की पहली और मुख्य पत्नी, जो मयासुर की पुत्री थीं। वह बहुत सती और पतिव्रता मानी जाती थीं। धन्यमालिनी रावण की दूसरी पत्नी, जिनसे उसे अतिव्या और त्रिशिरा नामक पुत्र हुए। रावण ने दुनिया भर की महिलाओं का अपहरण कर उन्हें अपनी पत्नी के रूप में रखा था, जिन्हें लंका में एक सती



एस्कें मंगल

स्त्री के शाप के तहत रहने का वर्णन भी मिलता है। रामचरितमानस में यह उल्लेख है कि रावण ने नर, सुर, नाग, किन्नर सहित अन्य वर्गों को बहुत सी लड़कियों को भी अपने महल में रखा था जो रावण की पत्नियां थीं। बालकांड में दोहा संख्या 182 का कि 'देव जच्छं गंधर्व, नर, किन्नर, नाग कुमार। जीती बरी निज बाहुल बहु सुंदर वर नार।' यानी देवता यक्ष गंधर्व मनुष्य किन्नर और नागों की कन्याओं तथा बहुत सी अन्य सुंदरी भी स्त्री के साथ स्त्रियों को उसने अपनी भुजाओं के बल से जीत कर व्याह किया। रावण को एक सती स्त्री का श्राप था कि यदि उसने किसी भी स्त्री के साथ उसकी इच्छा के विरुद्ध संबंध बनाया, तो उसके सिर के टुकड़े-टुकड़े हो जाएंगे। रामचरितमानस में मंदोदरी द्वारा रावण को सीता को वापस करने की सलाह देने के प्रसंग में उसकी बुद्धिमत्ता और पतिप्रेम का वर्णन है।



## प्रत्येक पात्र को कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित करते हुए पेंडिंग प्रकरणों का करें शीघ्र निस्तारण- भजनलाल जाटव



धौलपुर...तीर्थराज मचकुंड सोवर पर जारी कैलेण्डर का विमोचन सांसद भजनलाल जाटव, विधायक जसवंत सिंह गुर्जर, जिला श्रीनिधि बीटी, सीईओ एएन सोमनाथ व अन्य

### जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक का आयोजन

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। करौली-धौलपुर सांसद भजनलाल जाटव ने जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक की अध्यक्षता करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले के समग्र विकास के लिए सक्रिय रहकर योजनाबद्ध तरीके से कार्य करना सुनिश्चित करें।

सांसद भजनलाल जाटव ने रेलवे के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सैपक रोड पुलिस लाइन के पास से सैपक, भरतपुर, जयपुर के लिए आवागमन के साधनों का अधिक

संचालन होने के कारण रेलवे क्रॉसिंग फाटक बार-बार बंद होने के कारण यातायात साधन अवरूद्ध होगा। इसलिए यहाँ पर ओवर ब्रिज होना आवश्यक है। धौलपुर-बाड़ी रेलवे मार्ग पर किसानों की गई भूमि अधिग्रहण के मुआवजे से वंचित राशि की प्रक्रिया पूर्ण करते हुए बाड़ी-सरमथुरा के किसानों की भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही पूर्ण करते हुए शीघ्र ही मुआवजा राशि किसानों के बैंक खातों में डलवाना सुनिश्चित करें। किसी भी किसान को भूमि अधिग्रहण के मुआवजे लेने के लिए परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। किसानों की समस्या का समाधान हरसंभव करना हमारा पदीय कर्तव्य है। बिजौली, कुहवनी, सिंगोई के लोगों के लिए आने-जाने पर नेरोगेज लाइन पर रेलवे क्रॉसिंग बना हुआ था। लेकिन ब्रांडगेज

परिवर्तन के अर्थकार्य के तहत रेलवे क्रॉसिंग बंद कर दिए गए हैं। उन स्थानों पर अंडरपास बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने नेशनल हाईवे पर गड्ढों की मरम्मत करने, नालों की सफाई करने हेतु अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि टोल प्लाजा पर इमरजेंसी लेन में कार्मिकों की नियुक्ति की जाये जिससे एम्बुलेंस आदि को परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। टोल प्लाजा पर नियुक्त कार्मिकों का ड्रेस कोड लागू किया जाए। उन्होंने कहा कि टोल प्लाजाओं पर लगाए गए कार्मिकों का पुलिस विभाग द्वारा वरिफिकेशन किया जाना सुनिश्चित करें। हाईवे पर आवागमन पशुओं के रोकथाम के लिए नियमित पेट्रोलिंग किया जाना सुनिश्चित करें। पेट्रोलिंग नहीं करने वाले कार्मिकों को तत्काल प्रभाव से हटाया जाए। आगरा-

रखते हुए जल जीवन मिशन के तहत अधिक से अधिक कनेक्शन जारी करने, पीएम आवास योजना में प्रगति लाने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि अधिक गर्मी पड़ने पर लोगों को अधिक पानी की आवश्यकता होती है। इसलिए अधिक से अधिक हैण्डपम्पों की मरम्मत कार्य करवाया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने मनरेगा कार्यों की मॉनिटरिंग करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों को क्षतिग्रस्त खम्भों की मरम्मत करने, ढीले तारों को कसवाने के निर्देश दिए। बैठक में जिला कलक्टर श्रीनिधि बीटी ने दिए गए निर्देशों की पालना करवाने हेतु आवश्यक किया साथ ही आमजन तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने हेतु अधिकारियों को निर्देश दिए। बैठक में बाड़ी विधायक जसवंत सिंह गुर्जर, बसेड़ी विधायक संजय जाटव ने जिले की प्रमुख समस्याओं व अन्य मुख्य बिन्दुओं से सांसद को अवगत कराया। बैठक के दौरान पर्यटन विभाग द्वारा पंच गौरव के तहत तीर्थराज मचकुंड सोवर पर जारी कैलेण्डर का विमोचन किया। मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद ए एन सोमनाथ, उपवन संरक्षक वी चेतन कुमार, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी बबली राम जाट सहित सम्बन्धित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

## राजाखेड़ा व धौलपुर में बकायेदारों पर की कार्रवाई

# डिस्कॉम ने 7 लाख बकाया राशि पर 7 ट्रांसफॉर्मर उतारे

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। जयपुर डिस्कॉम के जिले में बड़े बिजली बकायेदारों व अवैध बिजली चोरी पर कार्यवाही की है। यह कार्यवाही राजाखेड़ा उपखण्ड के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों व धौलपुर शहर में की गई है। डिस्कॉम एसई विवेक शर्मा के निर्देशन में एईएन राजाखेड़ा आनंद तिवारी व एईएन नवनीत कटारा के नेतृत्व में कार्यवाही की। बड़े बकायेदारों की सूची तैयार की गई जो सालों से बिजली बिल नहीं भर रहे थे। डिस्कॉम कार्मिक बार बार इन बकायेदारों से कई वर्षों से बकाया राशि भरने का तमाचा कर रहे थे, लेकिन उपभोक्ताओं द्वारा बिल जमा नहीं कराए जा रहे थे। वहीं धौलपुर शहर में अवैध जम्पर काटकर बिजली आपूर्ति बंद की गयी है। विवेक शर्मा ने बताया कि कार्यवाही राजाखेड़ा



धौलपुर...बकायेदारों पर कार्रवाई करती डिस्कॉम टीम

उपखंड के शहर व ग्रामीण से 7 ट्रांसफॉर्मर उतारे गए। जिन पर 7 लाख की बकाया राशि थी। धौलपुर शहर में भी कार्यवाही की जा रही है व 40 अवैध जम्पर काटे गए हैं। डिस्कॉम ने कार्यवाही से लोगों में हड़कंप मच गया और आनन फानन में ट्रांसफॉर्मर व अवैध जम्पर हटाने नजर आए। एसई शर्मा ने बकायेदारों से बकाया राशि

जमा कराने की अपील की है जिससे उनकी बिजली बंद होने पर होने वाली असुविधा से बचा जा सके। कार्यवाही में एईएन राजाखेड़ा आनंद तिवारी, एईएन नवनीत कटारा, जेईएन किरण कुमारी, जेईएन मयंक मिश्रा, जेईएन विशाल जयसवाल, जेईएन रणवीर सिंह के साथ 35 बिजली कर्मी मौजूद रहे।

## शॉर्ट सर्किट से मकान में लगी आग, 2 बाईक व 100 मन भूषा अन्य घरेलू सामान जलकर राख

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। शहर के हरदेव सिंह संसार सिंह नगर में शुक्रवार दोपहर को एक मकान में अचानक शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। आग लगते ही घर के लोगों में अफरा-तफरी मच गई और आग बुझाने के प्रयास में लग गये। जब तक आग पर काबू पाया जाता तब तक आग की चपेट में आने से घर में रखी 2 बाईक, 100 मन भूषा, 1 फ्रिज व 35 बैटरी बस की तथा 2 टायर, एक कुलर सहित अन्य सामान जलकर राख हो



धौलपुर...मकान में लगी से उटती लपटे

गया। आग से करीब हजारों रुपये का नुकसान हो गया। मकान मालिक का कहना है कि आग लगने की सूचना

फायर ब्रिगेड ऑफिस में दी। जिस पर फायर ब्रिगेड खराब होना बताया गया।

## फर्जी मार्कशीट लगा डाक विभाग में पाई डाकपाल की नौकरी, दो साल बाद आया गिरफ्त में

यूपी के सैया से दबोचा, खुलासा हुआ तो आरोपी हुआ फरार

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बाड़ी। शहर की कोतवाली थाना पुलिस ने दसवीं कक्षा की कूट रचित मार्कशीट लगाकर डाक विभाग में डाकपाल की नौकरी पाने वाले एक आरोपी को 2 वर्ष बाद यूपी के सैया से गिरफ्तार किया है। आरोपी ने डाक विभाग की भर्ती में फर्जी मार्कशीट के आधार पर डाकपाल की नौकरी प्राप्त की थी। जिसका खुलासा होने के बाद डाक विभाग के निरीक्षक द्वारा कोतवाली थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। अब तक उक्त मामले में चार आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। कोतवाली थाना अधिकारी देवेन्द्र शर्मा ने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देश

पर ऑपरेशन प्रहार अभियान चलाया हुआ है। उक्त अभियान के तहत वांछित अपराधी एवं फरार चल रहे आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की

मामले में तीन आरोपियों की पूर्व में गिरफ्तारी की आ चुकी थी। आरोपी रविकांत पुत्र डोंगर सिंह कुशवाहा निवासी बाग किराण,छत्तापुरा पुरा बिर्इ थाना सैया आगरा का निवासी है। जो मामले के खुलासे के बाद फरार हो गया था। मामले की जांच एएसआई श्याम सुंदर शर्मा कर रहे है।

बुधवार को जरिए मुखबिर सूचना मिली कि आरोपी आगरा के हाईवे पर सैया तिराहे पर देखा गया है। ऐसे में उच्च अधिकारियों के निर्देश और सुपरविजन में एएसआई श्याम सुंदर शर्मा, कांस्टेबल राजेंद्र एवं सुबे सिंह और टीम ने सैया पहुंच एक थड़ी के पास से आरोपी रविकांत कुशवाहा को गिरफ्तार किया है। जिसके खिलाफ डाकपाल की नौकरी करने वाले आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई और गिरफ्तारी की मांग की थी। उक्त

## सायबर अपराधों के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक करने के लिए लगाया जागरूकता शिविर



राजाखेड़ा...जागरूकता शिविर में उपस्थित विद्यार्थी

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

राजाखेड़ा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष के निर्देशानुसार विधिक सेवा समिति एवं सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट राजाखेड़ा आकाश शर्मा के द्वारा शुक्रवार को पाठशाला उच्च माध्यमिक विद्यालय राजाखेड़ा में साइबर अपराधों के प्रति छात्र-छात्राओं को जागरूक करने के लिए विधिक

जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान न्यायिक मजिस्ट्रेट ने बच्चों को साइबर अपराधों वर्तमान डिजिटल युग में साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं, इसलिए सतर्क रहना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को सोशल मीडिया का सुरक्षित उपयोग करने, अपनी निजी जानकारी साझा न करने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना देने के लिए प्रेरित किया। साइबर

अपराधों के विभिन्न प्रकार जैसे हैकिंग, ऑनलाइन धोखाधड़ी, फेक प्रोफाइल, साइबर बुलिंग आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने यह भी बताया कि ऐसे मामलों में कानूनी सहायता कैसे प्राप्त की जा सकती है और शिकायत कहाँ दर्ज कराई जाए। इस संबंध में 1930 हैल्पलाइन नंबर पर शिकायत की जा सकती है। इस दौरान विद्यालय की डायरेक्टर डॉ तरुणा मिश्रा सहित अन्य स्टाफ मौजूद रहें।

## रोजगार विभाग का एम्प्लॉयमेंट एक्सचेंज मैनेजमेंट सिस्टम पोर्टल 16 अप्रैल से रहेगा बंद

धौलपुर। रोजगार सेवा निदेशालय के निर्देशानुसार रोजगार विभाग से सम्बन्धित विभागीय पोर्टल एम्प्लॉयमेंट एक्सचेंज मैनेजमेंट सिस्टम प्रशासनिक कारणों से 16 अप्रैल से आगामी आदर्शों तक के लिए बंद किया जा रहा है। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि रोजगार विभाग से सम्बन्धित पंजीयन एवं मुख्यमंत्री युवा सबल योजना से सम्बन्धित सभी कार्य बाधित रहेंगे। उन्होंने बताया कि बेरोजगारी भत्ता प्राप्त आशार्थी अपनी मार्च माह की उपस्थिति 16 अप्रैल से पूर्व अपलोड कराया जाना सुनिश्चित करें।



बाड़ी... अस्पताल के इन्डोर में भर्ती मरीज एवं एक बेड पर भर्ती दो बच्चे।

## तापमान में उतार-चढ़ाव से बढ़ रही मौसमी बीमारियां, सबसे अधिक बच्चे प्रभावित

अस्पताल के शिशु वार्ड में बच्चों की भीड़, बुजुर्ग भी हो रहे प्रभावित

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बाड़ी। 15 मार्च के बाद लगातार बदल रहे मौसम की मिजाज और एक के बाद एक आए पश्चिमी विक्षोभ के चलते तापमान में उतार चढ़ाव देखा गया है और गर्मी का प्रकोप नहीं दिखाई दे रहा लेकिन लगातार बदलते मौसम ने अस्पताल में मरीजों की भीड़ बढ़ा दी है। सर्द-गर्म के इस मौसम का शिकार सबसे अधिक छोटे बच्चे हो रहे हैं जो उल्टी-दस्त के साथ निमोनिया के प्रकोप से ग्रसित हैं। ऐसे में शहर के जिला अस्पताल में सबसे अधिक मरीज उल्टी दस्त और निमोनिया की भर्ती हो रहे हैं। अस्पताल का ओपीडी भी 900 से बढ़कर अब 1176 हो गया है। जिसमें भर्ती मरीजों का आंकड़ा 200 के पार पहुंच गया है। ऐसे में अस्पताल के प्रमुख चिकित्सा अधिकारी ने एडवाइजरी जारी की है। अप्रैल माह में तापमान

विगत वर्ष 42 डिग्री सेंटीग्रेड तक पहुंच जाता था। लेकिन इस बार यह तापमान 32 पर अटका हुआ है। वहीं बारिश होने पर तापमान लुकलुककर 25 पर पहुंच जाता है। रात में अभी भी हल्की ठंडक बनी हुई है। इसके चलते लोगों को कभी सर्दी तो कभी गर्मी का पहसास हो रहा है। जिसके चलते इन्फेक्शन बढ़ा है और उल्टी-दस्त, डायरिया जैसी बीमारियां बढ़ रही हैं। वहीं निमोनिया से भी छोटे बच्चे प्रभावित हैं। बाड़ी जिला अस्पताल के पीएमओ डॉ हरकिशन मंगल ने बताया कि लगातार मौसम बदलने से उल्टी-दस्त डायरिया और खांसी जुकाम के मरीज बढ़े हैं। अस्पताल के शिशु वार्ड में 24 घंटे में 70 बच्चे भर्ती हुए हैं। वहीं जनरल वार्ड में भी भर्ती मरीजों का आंकड़ा 100 से ऊपर है। ऐसे में करीब 200 मरीज प्रतिदिन अस्पताल में भर्ती हो रहे हैं। जिनमें छोटे बच्चों की संख्या सबसे अधिक है। पीएमओ डॉ हरकिशन मंगल ने एडवाइजरी जारी



की है कि अब लगातार तापमान बढ़ेगा। ऐसे में गर्मी बढ़ने पर तेजी से बीमारियां बढ़ सकती हैं। इसको लेकर अभिभावक विशेष रूप से ध्यान दें। बच्चों को एक साथ सर्द गर्म खाना नहीं दिया जाए। उन्हें हल्का और सुपाच्य भोजन ही दें। ठंडी चीजों से अभी परहेज करें। जिससे वे बीमारियों से ग्रसित नहीं हो। वहीं बड़े बुजुर्गों का भी ख्याल रखें।

## कोतवाली पुलिस ने पकड़ा अवैध हथियार के साथ आरोपी, तिलुआ के अड्डा पर कार्यवाही

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बाड़ी। शहर की कोतवाली थाना पुलिस ने ऑपरेशन प्रहार अभियान के तहत मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए अवैध हथियार के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्त में आए आरोपी से पुलिस अवैध हथियार को लेकर पूछताछ कर रही है। कोतवाली थाना अधिकारी देवेन्द्र शर्मा ने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देश पर प्रयास लूट, डकैती और आम वृष्ट में वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर ऑपरेशन प्रहार अभियान चलाया हुआ है। उक्त अभियान के तहत मुखबिर तंत्र को भी सक्रिय किया गया है।

गुरुवार 9 अप्रैल को जरिए मुखबिर सूचना मिली कि एक आरोपी धौलपुर रोड़ पर तिलुआ के अड्डा के पास अवैध हथियार के साथ देखा गया है। उक्त सूचना के पुछता होने पर एएसआई श्याम सुंदर शर्मा, कांस्टेबल सतीश, कमल सिंह और रामावतार को मौके पर खाना किया गया। जहाँ पुलिस टीम

के पहुंचने पर आरोपी पुलिस को देखते ही भागने लगा। इस पर पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को दबोचा। जिसकी तलाशी लेने पर उसके पास से एक 12 बोर का देसी कट्टा और जिंदा कारतूस बरामद हुआ।

## अम्बेडकर जयंती समारोह के लिए 11 से 14 अप्रैल तक कार्यक्रमों का होगा आयोजन

धौलपुर। डॉ. भी आर अम्बेडकर जयंती समारोह 14 अप्रैल के भव्य रूप से आयोजन के लिए 11 से 14 अप्रैल तक जिला एवं ब्लॉक स्तर पर विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी ने बताया कि जिले में गतिविधियों के सफल आयोजन के लिए जिला स्तर पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद को नोडल अधिकारी एवं सहायक निदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग को सहायक नोडल अधिकारी तथा ब्लॉक स्तर पर सम्बन्धित उपखण्ड अधिकारी ब्लॉक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। उन्होंने बताया कि बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर की विचारधारा से जन सामान्य को अवगत तथा जागरूक किए जाने के 11 अप्रैल को जिला कलेक्टर सभागार में प्रातः 11 बजे ज्योतिबा फुले जी की मूर्ति पर माल्यार्पण, 12 अप्रैल को सविधान को जाने ऑनलाइन क्वीज प्रतियोगिता, 13 अप्रैल को बाबा साहेब के सामाजिक न्याय दर्शन एवं उनके जीवन पर आधारित संगोष्ठी कार्यक्रम, बाबा साहेब के जीवनवृत्त पर व्याख्यान, छात्रावासों, आवासिय विद्यालयों में बाबा साहेब आधारित चलचित्र प्रदर्शन एवं स्वच्छता कार्यक्रम, चित्रकला, लेखन, भाषण तथा सविधान के सम्बन्ध में निबंध प्रतियोगिता तथा 14 अप्रैल को अम्बेडकर पार्क सागरपाड़ा में प्रातः 10 बजे बाबा साहेब अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि, सविधान की प्रस्तावना का वाचन एवं सविधान शपथ का आयोजन किया जाएगा।

## इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक में अटके ग्राहकों के पैसे, अधिकारी नहीं करते हैं सुनवाई

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

राजाखेड़ा। राजाखेड़ा के क्षेत्र के कुछ व्यक्तियों ने गत 5 साल पूर्व इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक में खाते खुलवाए थे और उनको खाता नंबर का एक कार्ड पकड़ा दिया गया। इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक में मजे की बात तो यह है कि लोगों का अपना पैसा तो जमा करते चले गए लेकिन निकालने के लिए उसमें कोई जगह नहीं है, इसलिए लोग काफी परेशान नजर आ रहे हैं। धौलपुर में इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक मैनेजर के पास राजाखेड़ा से चार दिन से चक्कर लगाने पर भी उनको पैसे नहीं मिल पा रहे हैं। गौरतलब कि अनिल पुत्र राजेंद्र प्रसाद कुशवाहा निवासी ग्राम विचोला राजाखेड़ा ने गत पांच साल पूर्व अपना खाता खुलवाया था। जिसका अकाउंट नंबर 0455 100 73773 है तथा दूसरा व्यक्ति सीताराम पुत्र सुंदर सिंह जाति बघेल निवासी गुन का पुरा ने भी अपना खाता गत 5 साल पूर्व इसी बैंक में खुलवाया था। जिसका अकाउंट नंबर 0455 1003 8728 है। जिसमें उसके 119212 रुपए हैं। वह भी काफी चक्कर लगाकर परेशान है। ऐसे



ही दर्जन और लोग अपने पैसे निकालने के लिए चक्कर लगाते नजर आते हैं परंतु उनका खुद का जमा किया हुआ पैसा समय पर उनको नहीं मिल पा रहा है। अनिल कुशवाहा ने बताया कि वहां जाने पर हर बार एप्लीकेशन देनी पड़ती है और बैंक मैनेजर के द्वारा 3 दिन 4 दिन का वायदा कर वापस भेज दिया जाता है। क्या इसी तरह बैंक मैनेजर की मनमानी चलती रहेगी। जिसके कारण उनको परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। क्या इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक मैनेजर ऐसे ग्राहकों के खाते में जमा पैसे को शीघ्र निकलवाने का प्रयास करेंगे।